हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 70 | प्रयागराज, शनिवार 10 जून , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

केशव मौर्य ने मां विंध्यवासिनी मंदिर में टेका मत्था, कहा,लखनऊ और प्रयागराज में हुई हत्या की एसआईटी कर रही जांच

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को विंध्याचल धाम पहुंचकर मां विंध्यवासिनी का दर्शन–पूजन किया। इस दौरान मौर्य ने निर्माणाधीन विंध्य कारीडोर का जायजा लिया और निर्माण की प्रगति पर संतोष जताया। वहीं दर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने सपा को गुंडों और माफियाओं की पार्टी करार दिया तो विदेशों में राहुल गांधी द्वारा भारत विरोधी बयान देने पर कहा कि कांग्रेस पार्टी को भारत विरोध का रोग लग गया है। बता दें कि डिप्टी सीएम हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन परेड ग्राउंड मिर्जापुर पहुंचे जहां सबसे पहले मौर्य ने विंध्याचल पहुंचकर मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने वहां चल रहे विंध्य कॉरिडोर के कार्य का निरीक्षण भी किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कई महीनों बाद माता रानी के दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। सरकार माता रानी और जनता जनार्दन के आशीर्वाद से बनी है। सरकार का संकल्प है कि अयोध्या में राम लला की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बने। काशी में बाबा विश्वनाथ का धाम विंध्याचल धाम को भी वैसा ही भव्य एवं दीप बनाने का कार्य चल रहा है यहां भक्तों

को सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। लखनऊ में पुलिस कस्टडी में हत्या पर सपा द्वारा ला एंड आर्डर पर सवाल उठाने पर उन्होंने कहा कि सपा गुंडों माफियाओं की पार्टी है उनके मुंह से इस प्रकार की बात शोभा नहीं देती है। इस प्रकार की घटना हम लोगों के लिए चिंता का विषय है। चाहे प्रयागराज की घटना हो या लखनऊ की दोनों मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। सरकार की यही मंशा है जो भी अपराध करता है उसे फांसी के फंदे तक पहुंचाया जाए। वहीं विदेशों में राहुल गांधी द्वारा दिए जा रहे बयान पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को भारत विरोध का रोग लग गया है, तभी वह भारत से विदेश की धरती पर पहुंचते हैं भारत विरोध का राग अलापने लगते हैं। उनके इस बयान की हम निंदा करते हैं। बता दें शुक्रवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एक दिवसीय दौरे पर मिर्जापुर पहुंचे थे सबसे पहले उन्होंने पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद विंध्याचल धाम पहुंचकर मां विंध्यवासिनी के दर्शन पूजन किया। इसके बाद बरौंधा के एक लॉन में सात मोर्चा के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। साथ ही मोदी के किए गए 9 साल कार्यों के उपलब्धि को गिनाया फिर पुलिस लाइन ग्राउंड पहुंच कर प्रयागराज के लिए रवाना हो गए।

उत्तरकाशी में पुलिस ने दर्ज किया ,युवक का नाम बदलकर दो लड़कियों को फंसाने का केस

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के आराकोट में एक युवक ने अपना नाम बदलकर पहले दो सगी बहनों को झांसे में फंसाया और फिर उन्हें भगाने का प्रयास किया। आराकोट के मोल्डी में सेब बगीचों में काम करने वाली नेपाली मूल की महिला ने मुजफ्फरनगर जिले के रहने वाले युवक नवाब खान पर बेटियों को भगाने के प्रयास का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि युवक और नाबालिग लड़कियों की दोस्ती पबजी गेम खेलने के दौरान हुई थी। महिला ने इस मामले में आराकोट पुलिस चौकी में तहरीर भी दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि मुजफ्फरनगर का रहने वाला नवाब खान उसकी दो बेटियों से गुड्डू बनकर फोन पर अश्लील बातें करता था। ये लोग दो साल से पब्जी और दूसरे ऑनलाइन गेम खेल रहे थे और इसी के जरिए उनकी जान–पहचान हुई। गुरुवार को वो उन्हें लेने आराकोट मोल्डी आया था, जहां स्थानीय लोगों ने उनका पीछा कर तीनों को पकड़ लिया। महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उनकी बेटियों को डराया धमकाया जा रहा है। आरोपी कुछ अश्लील चौट वायरल करने की धमकी दे रहा है।

लव जिहाद के बढ़ते मामलों पर सीएम धामी ने लिया कड़ा रुख, डीजीपी समेत अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी

देहरादून। उत्तराखंड में तेजी से बढ़ रहे लव जिहाद के मामलों पर एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक आपात बैठक बुलाई। जिसमें राज्य के डीजीपी एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अपर मुख्य सचिव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक में पिछले एक–दो महीने के दौरान प्रदेश में आए लव जिहाद के मामले और उस पर हुई अब तक की कार्रवाई पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से फीडबैक लिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य के डीजीपी को इस तरह के मामलों पर कोई ढील ना बरतते हुए सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने लव जिहाद के मामलों पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि, पिछले एक–दो महीने में लव जिहाद के कई मामले उत्तराखंड में आए हैं। जिसको लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा भी सड़कों पर दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इन मामलों को लेकर गंभीर है। और सरकार ने पुलिस को प्रदेश में सत्यापन के लिए ड्राइव चलाने के भी निर्देश दिए हैं। पिछले एक–दो महीनों में उत्तराखंड में एक दर्जन से ज्यादा लव जिहाद के मामले दर्ज किए गए हैं। जिसमें हरिद्वार हल्द्वानी गोचर और उत्तरकाशी जैसे मामलों में गिरफ्तारी भी कर ली गई है। मामलों में विशेष समुदाय के लोग हिंदू धर्म की लड़कियों को बहला–फुसलाकर प्रेम जाल में फसा रहे हैं। जिनमें से ज्यादातर नाबालिग लड़कियां हैं। उत्तराखंड बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना का कहना है कि, प्रदेश में लव जिहाद के मामलों में एक षड्यंत्र के तहत इजाफा हो रहा है। जो कुछ मुस्लिम नेताओं के इशारे पर किया जा रहा है। उन्होंने इस बात की भी वकालत की है। की प्रदेश के स्कूलों में विशेष तौर पर कानून से संबंधित विषयों को नई शिक्षा नीति के तहत पढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। वैसे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लव जिहाद के मामले में किसी षड्यंत्र के होने पर साफ कर दिया है। कि चाहे षड्यंत्र हो या फिर कोई और वजह दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

उनकी झूठ की मशीन की डबल स्पीड से चल रही है, उनका पाप का घड़ा भर चुका है : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों के नेताओं के हमलों की धार तेज होती जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी झूठ की मशीन की डबल स्पीड से चल रही है, उनका पाप का घड़ा भर चुका है। खंडवा के हरसूद पहुंचे कमलनाथ ने कहा, हरसूद कभी विकास का प्रतीक और व्यापार का केंद्र हुआ करता था, वह आज आदिवासी पलायन की राजधानी बन कर रह गया है। भ्रष्टाचार की राजधानी बनकर रह गया। कुपोषण की राजधानी बन गया है। अवैध उत्खनन की राजधानी बनकर रह गया है। आज से 40 साल पहले मैं छिंदवाड़ा से सुना करता था कि हरसूद बहुत उन्नत जगहों में से एक है, परंतु आज हरसूद विकास की दौड़ में पिछड़ गया। कमलनाथ ने आदिवासियों की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, खंडवा में किसान और आदिवासी भाई सबसे ज्यादा परेशान हैं, बड़ी संख्या में आदिवासियों को पट्टे आवंटित नहीं हुए और जिन्हें मिले भी हैं वे पट्टों का हस्तांतरण नहीं करवा पा रहे। मुख्यमंत्री

चौहान पर तंज कसते हुए कहा, आखिरी पांच महीनों में शिवराज की झूठ की मशीन डबल स्पीड से चल रही है, सोच रहे हैं घोषणाएं करने से इनके पाप धुल जाएंगे परंतु पाप का घड़ा भर चुका है। यहां हमारे लोगों पर जुल्म और ज्यादती की गई, झूठे केस लगाए गए। यह दबाव की राजनीति अब ज्यादा दिन नहीं चलेगी। मैं कह देना चाहता हूं कि, कल के बाद परसों भी आता है। उन्होंने आगे कहा, 18 सालों से शिवराज की 22 हजार घोषणाएं अधूरी है भ्रष्टाचार दीमक की तरह प्रदेश को चाट गया। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कानून व्यवस्था हर क्षेत्र में प्रदेश को खोखला करने का कार्य किया गया है।

राज्य की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए कमलनाथ ने कहा, प्रदेश को कर्ज के बोझ तले दबा दिया गया है। तीन लाख 30 हजार करोड रुपए का कर्ज है। ब्याज भरने के लिए फिर कर्ज लेना पड़ रहा है। इस पैसे का उपयोग हरसूद के विकास के लिए नहीं हुआ बल्कि बड़े बड़े ठेके दिए गए और जमकर कमीशन खोरी की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने 2000 रुपये के नोट बदलने पर आरबीआई के फैसले के खिलाफ सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गर्मी की छुट्टी के दौरान अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की उस याचिका को सूचीबद्ध करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के 29 मई के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें बिना किसी पहचान के 2,000 रुपये के नोट बदलने की अनुमति दी गई थी।

जस्टिस अनिरुद्ध बोस और राजेश बिंदल की पीठ ने उपाध्याय से कहा कि जुलाई के पहले सप्ताह में अदालत के फिर से खुलने के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष अपनी याचिका का उल्लेख करें। पीठ ने कहा कि अन्य अवकाश पीठ ने पहले ही कहा था कि गर्मी की छुट्टी के बाद आओ और कहा, हमने रजिस्ट्रार की रिपोर्ट का अवलोकन किया। हमारी राय में, अवकाश पीठ के निर्देश को हम बदल नहीं सकते हैं। उपाध्याय ने कहा कि 10 दिनों में 1.8 लाख करोड़ रुपये का लेन–देन किया गया है और केवल 10 करोड़ रुपये का कर चुकाया गया है।

जेपी नड्डा ने दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय भवन की आधारशिला रखी, 'वैचारिक शून्यता के लिए विपक्षी दलों पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने यहां पार्टी की दिल्ली इकाई के नए कार्यालय भवन की शुक्रवार को आधारशिला रखी और कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी (आप) सहित अन्य विपक्षी दलों पर सत्ता के लिए राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया विपक्षी दलों में कोई विचारधारा नहीं है। नड्डा के साथ संगठन महासचिव बी एल संतोष और दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित कई नेताओं ने दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर इमारत की आधारशिला रखने से पहले विस्तृत भूमि पूजन किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''भाजपा एकमात्र कैडर और जन–आधारित पार्टी है जिसकी एक विचारधारा है जबकि अन्य सभी दलों की कोई विचारधारा नहीं है और वे केवल सत्ता के लिए राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 'सिर्फ भाजपा का विरोध करने के लिएश उसने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी वामपंथी दलों से हाथ मिला लिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस 'वैचारिक शून्यता की दिशा में बढ़ गई है। नड्डा ने आम आदमी पार्टी और उसके संयोजक एवं दिल्ली के

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा, ''यह दिल्ली के लिए शर्म की बात है कि ऐसे लोग हमारा नेतृत्व कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी की यात्रा लोकपाल से शुरू होकर 'मालामाल बनने तक की है। केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में हुए 'शराब घोटाले का उल्लेख करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''ऐसी सरकार को सत्ता में नहीं होना चाहिए। हमें इसके खिलाफ लोकतांत्रिक लड़ाई लड़नी होगी। केजरीवाल पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि उन्होंने खुद को 'कट्टर ईमानदार बताया जबकि उनके पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अदालत कई बार जमानत देने से इनकार कर चुकी है। नड्डा ने भाजपा की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने न केवल देश में सरकार बदली बल्कि विकास और प्रदर्शन पर आधारित राजनीति की एक नई संस्कृति भी शुरू की। उन्होंने कहा, ''वंशवाद से विकासवाद में बदलाव मोदी की वजह से आया है। भाजपा ने वोट बैंक की राजनीति की जगह 'रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू कर दी है। नड्डा ने अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा ने हमेशा अपनी विचारधारा और कार्यक्रम तय करने के बाद अपने लक्ष्यों को हासिल करने का प्रयास किया है। दिल्ली भाजपा कार्यालय भवन की आधारशिला रखे जाने को उन्होंने एक 'ऐतिहासिक क्षण करार दिया। नड्डा ने कहा, ''हमारे पार्टी कार्यालय वास्तव में हमारे कार्यकर्ताओं के लिए 'संस्कार केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में भाजपा के 500 से अधिक कार्यालय पहले ही बन चुके हैं और करीब 166 कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। नड्डा ने इस अवसर पर अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा, केदार नाथ साहनी सहित दिल्ली से ताल्लुक रखने पार्टी के दिग्गजों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भाजपा के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि दक्षिण भारतीय मंदिरों की वास्तुकला से प्रेरित यह चार मंजिला इमारत अगले 18 महीनों में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 825 वर्ग मीटर के भूखंड पर बनने जा रही इस नयी इमारत का निर्मित क्षेत्र 30,000 वर्ग फुट होगा। भाजपा नेताओं के मुताबिक, नये कार्यालय परिसर में भाजपा की दिल्ली इकाई के पदाधिकारियों के दफ्तरों के साथ–साथ पार्किंग, कैंटीन और 300 लोगों के बैठने की क्षमता वाला सभागार भी होगा।

बंगाल पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस और बीजेपी कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे

कोलकाता। कांग्रेस और भाजपा ने पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत प्रणाली में आगामी चुनावों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख करने का फैसला किया है। नवनियुक्त राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा ने गुरुवार शाम को एक ही चरण में मतदान की तारीख 8 जुलाई घोषित की। सिन्हा चुनावों के लिए केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती पर अस्पष्ट रहे, इसके बजाय लोगों को राज्य पुलिस द्वारा की गई सुरक्षा व्यवस्था में विश्वास रखने के लिए कहा, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष व पार्टी के लोकसभा सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने घोषणा की कि पार्टी आगे बढ़ेगी और कोर्ट से केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग करेगी। कांग्रेस नेता और कलकत्ता उच्च न्यायालय के वकील कौस्तव बागची शुक्रवार को उच्च न्यायालय में याचिका दायर करेंगे। बागची ने कहा, आगामी पंचायत चुनावों के लिए हमारी 12 मांगें हैं, इसमें केंद्रीय बलों की तैनाती, ऑनलाइन नामांकन

की व्यवस्था और राज्य चुनाव आयोग और जिलाधिकारियों के कार्यालयों में नामांकन दाखिल करने का विकल्प शामिल है।

कांग्रेस के अलावा, पश्चिम बंगाल में भाजपा की राज्य इकाई ने भी विभिन्न आधारों पर कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख करने का फैसला किया है। केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग के अलावा, भगवा खेमा 8 जुलाई को एक चरण में चुनाव कराने पर भी आपत्ति जताएगा। पता चला है कि अपनी याचिका में पार्टी राज्य चुनाव आयुक्त द्वारा सर्वदलीय बैठक बुलाए बिना नामांकन, मतदान की घोषणा पर भी आपत्ति जताएगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि ग्रामीण निकाय चुनावों में रक्तपात के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए एकल चरण के चुनाव अकल्पनीय हैं। अधिकारी ने कहा, अगर चुनाव संबंधी हिंसा में एक भी व्यक्ति की मौत होती है, तो इसके लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा जिम्मेदार होंगे। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल घोष ने सर्वदलीय बैठक बुलाए बिना चुनाव की तारीख की घोषणा के अधिकारी के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए राज्य चुनाव आयोग बाध्य नहीं है।

केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती के संबंध में, वे सभी दल ऐसे बहाने बना रहे हैं जिनके पास पश्चिम बंगाल में कोई संगठन नेटवर्क या सार्वजनिक समर्थन नहीं है। 2021 केंद्रीय बलों की तैनाती के साथ आठ चरणों में राज्य विधानसभा चुनाव कराए गए। सभी जानते हैं कि परिणाम क्या रहा।

चीन को क्लीनचिट दिए जाने के कारण देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही, खरगे का पीएम मोदी पर प्रहार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट चीन द्वारा निर्माण कार्य किए जाने संबंधी खबर को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि चीन का मुकाबला एकजुट होकर रणनीतिक तौर पर किया जाना चाहिए। उन्होंने उत्तराखंड में एलएसी से लगे इलाकों में चीन द्वारा कथित तौर पर निर्माण कार्य किए जाने की उपग्रह से ली गई कुछ तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चीन को क्लीन चिट दिए जाने के कारण देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उन्होंने ट्वीट किया, ''अब उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के निर्माण कार्य करने से हमारी भूभागीय अखंडता पर अतिक्रमण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चीन को क्लीनचिट दिए जाने

की देश भारी कीमत चुका रहा है। चीन का मुकाबला मिलकर रणनीतिक रूप से करना चाहिए, न कि शेखी बघार कर। उल्लेखनीय है कि भारत ने पूर्वी लद्दाख में सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं होने तक चीन के साथ संबंधों के सामान्य होने की बात को निराधार करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति होने पर ही बीजिंग के साथ संबंधों में प्रगति हो सकती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों देशों के बीच संबंधों में सैनिकों की 'अग्रिम मोर्चे पर तैनाती को मुख्य समस्या करार दिया। केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर जयशंकर ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा था, '' भारत भी चीन के साथ संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है लेकिन यह केवल तभी संभव है जब सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति हो।

सम्पादकीय

महंगाई पर नजर

शायद यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूरी है कि उसकी प्राथमिकता महंगाई पर काबू पाने की होती है। महंगाई से त्रस्त जनमानस राजनीतिक बदलाव से भी गुरेज नहीं करता है। इस साल कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों और आम चुनावों की तरफ बढ़ते देश में सरकार की प्राथमिकता महंगाई नियंत्रण होना लाजिमी ही है। जिसकी झलक देश के केंद्रीय बैंक के वीरवार को सामने आए फैसले में नजर आई। केंद्रीय बैंक ने विकास के बजाय महंगाई नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया है। यही वजह है कि रिजर्व बैंक ने अपनी मुख्य दरों में कोई बदलाव नहीं किया। बैंक की लगातार दूसरी बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया ताकि उपभोक्ताओं की ईएमआई पर कोई असर न पड़े। उल्लेखनीय है कि अप्रैल में हुई बैठक में भी नीतिगत दरें स्थिर रखी गई थी। इस बार भी रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की दो दिनों तक चली बैठक के बाद गुरुवार को गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्वीकारा की चालू वित्त वर्ष में महंगाई दर निर्धारित लक्ष्य चार प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। वहीं उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष में विकास दर 6.5 फीसदी रहने का भरोसा जताया। साथ ही कहा कि शहरी व ग्रामीण मांग का मजबूत बना होना अर्थव्यवस्था के लिये अच्छा संकेत है। फिर भी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के पांच फीसदी से अधिक रहने का अनुमान है। इस आकलन की एक वजह यह भी है कि मौसम संबंधी अनिश्चितता ऐसे पूर्वानुमानों को प्रभावित कर सकती है। बैंक का मानना है कि यदि मानसून सामान्य रहता है तो महंगाई रिजर्व बैंक के अनुमानों के अनुसार निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप ही रह सकती है। कुछ आर्थिक जानकार केंद्रीय बैंक के निर्णय को सकारात्मक रूप से समायोजन की दिशा में उठाया गया कदम बता रहे हैं। उनका मानना है कि हाल–फिलहाल बाजार की इच्छा के अनुसार ब्याज दरों में वृद्धि नहीं की जायेगी। आकलन है कि वैश्विक आर्थिक स्थितियों तथा मानसून के सामान्य रहने पर केंद्रीय बैंक नीतिगत दर में कटौती कर सकता है। निस्संदेह, मौजूदा वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच यदि भारत का आर्थिक व वित्तीय क्षेत्र लचीला बना हुआ है तो यह मजबूत आर्थिक ढांचे को ही दर्शाता है। कुल मिलाकर बैंक ने आम उपभोक्ताओं की चिंताओं का ही निदान किया है। लेकिन एक बात साफ है कि केंद्रीय बैंक विकास के जोखिम के बजाय महंगाई के जोखिम को अपना प्राथमिक लक्ष्य बना रहा है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन के चलते ही केंद्रीय बैंक के मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के प्रयास सिरे चढ़ते नजर आ रहे है। जो अब सहिष्णुता की सीमा के निकट नजर आती है। जिसके चलते देश में सकारात्मक आर्थिक परिदृश्य नजर आ रहा है। तभी आगामी वित्तीय वर्ष के लिये जीडीपी के 6.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। बहरहाल, केंद्रीय बैंक ने मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग के बाद देश के लोगों को यह भरोसा दिलाया है कि नीतिगत दरों में बदलाव न करने के बावजूद न तो लोन महंगे होंगे और न ही उन्हें अधिक ईएमआई चुकानी पड़ेगी। यही वजह है कि केंद्रीय बैंक ने महंगाई नियंत्रण के अपने अस्त्र रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया, क्योंकि रेपो रेट बढ़ाने के बाद बैंक अपना ऋण महंगा कर देते हैं। इतना तो तय है कि आरबीआई अभी महंगाई को लेकर चिंतित है। फिलहाल मुद्रास्फीति की अनुमानित दर को 5.2 फीसदी से घटाकर उसने 5.1 किया है। आरबीआई गवर्नर के उस बयान से महंगाई को लेकर चिंता जाहिर होती है जिसमें उन्होंने इस पर अर्जुन की नजर बनाये रखने की जरूरत बतायी है। उन्होंने यह भी माना कि यात्रा का अंतिम चरण हमेशा कठिन ही होता है। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि वर्तमान में कम होती महंगाई और विकास की स्थिर दर के चलते आगामी वित्तीय वर्ष में नीतिगत दरों में कमी की जा सकती है। लेकिन कच्चे तेल के दाम आदि वैश्विक कारकों से जुड़ी चिंताएं इसे प्रभावित भी कर सकती हैं। खासकर रूस–यूक्रेन युद्ध के चलते प्रभावित आपूर्ति शृंखला का बाधित होना भी इसका एक घटक है।

रेल दुर्घटना: जवाबदेही है ही नहीं!

बालासोर ट्रेन हादसे के लिए आखिर कोई तो उत्तरदायी होगा? लेकिन वर्तमान सरकार के तहत उत्तरदायित्व एक अप्रचलित शब्द है। सरकार ने जो किया है, भले के लिए किया होगा– यह इस बात को मान कर चलने का दौर है! ओडिशा के बालासोर में हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना की जांच सीबीआई को सौंपने की खबर अगर बहुत से लोगों के गले नहीं उतरी है, तो उसका कारण है। सीबीआई अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी है। तो क्या सरकार को कहीं से इस बात के संकेत मिले हैं कि इस दुर्घटना के पीछे तोडफोड़ हुई हो सकती है? जबकि रेलवे के सूत्र कह चुके हैं कि हादसा संभवतरू सिग्नल सिस्टम की गड़बड़ी से हुआ। इसके अलावा हादसा होने के बाद से गुजरे वर्षों में रेल सुरक्षा की हुई अनदेखी की चर्चा सुर्खियों में आई है। किस तरह सुरक्षा से जुड़े हजारों पद खाली पड़े हैं और कैसे बजट आवंटन में सुरक्षा का मद घटता चला गया है, ये तमाम बातें मीडिया में आई हैं। ये बातें सीएजी की रिपोर्ट के हवाले से भी कही गई हैं। विशेषज्ञों ने बताया है कि वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद ध्यान आम रेल सेवा को सुधारने और दुरुस्त करने पर नहीं, बल्कि उच्च आय वर्गों के लिए सुविधाजनक और सुर्खियां बटोरने वाली कुछ हाई स्पीड ट्रेनों पर टिका रहा है। पूर्व यूपीए सरकार के कार्यकाल में रेल सुरक्षा पर अनिल काकोडकर कमेटी बनी थी।

मणिपुर में क्यों नहीं दिख रहा मोदी मैजिक

मणिपुर में एक महीने से अधिक वक्त से अशांति और हिंसक तनाव का माहौल बना हुआ है। कहने को सुरक्षा बलों ने कानून व्यवस्था बनाए रखने की कमान संभाली हुई है और केंद्र सरकार भी हालात पर नजर रख रही है। लेकिन ये किस तरह की निगरानी है कि हिंसा की घटनाओं पर काबू ही नहीं पाया जा रहा। गृहमंत्री अमित शाह तीन दिन तक राज्य में रहकर आ गए, सभी समुदायों से मुलाकात की, अधिकारियों–नेताओं के साथ बैठकें कीं, लेकिन इसका कोई नतीजा निकलता नहीं दिख रहा।

मणिपुर में उच्च पदों पर बैठे लोग भी खुद को मणिपुरी या भारतीय समझने से पहले कुकी या मैतेई के तौर पर देख रहे हैं। इसका नतीजा ये है कि आपस में अविश्वास और संदेह की खाई गहराई हुई है। कुकी समुदाय के भाजपा विधायकों का भरोसा अपने ही मुख्यमंत्री पर नहीं दिख रहा। मुख्यमंत्री वीरेन सिंह अपनी निष्पक्षता जाहिर करने में असफल साबित हुए हैं। पुलिस प्रशासन में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच विश्वास की कमी देखी जा रही है और स्थिति ऐसी है कि मणिपुर पुलिस के महानिदेशक पद पर त्रिपुरा कैडर के अधिकारी को नियुक्त किया गया है। नफरत और हिंसा वो बुरी शक्तियां हैं, जो किसी पर वार करने के लिए सात–आठ घर छोड़ने पर यकीन नहीं करतीं। वो अपनी चपेट में हरेक को ले लेती हैं, अपने जन्मदाता को भी। भाजपा ने अगर सांप्रदायिक, जातीय ध्रुवीकरण के सहारे कुछ सालों में कुछ चुनाव जीत लिए तो इसका ये कतई मतलब नहीं है कि ये बुराइयां उसके लिए फायदेमंद साबित होंगी और बाकियों के लिए घातक। इनका नुकसान उसे भी कभी न कभी उठाना ही पड़ेगा। फिलहाल मणिपुर इसका ज्वलंत उदाहरण है। मणिपुर में जब हिंसा की चिंगारी सुलगना शुरू हुई थी, तब भाजपा और केंद्र सरकार दोनों कर्नाटक चुनाव में व्यस्त थे। नतीजा ये हुआ कि हालात हाथ से निकल गए। चुनावों से फुर्सत पाकर ही अमित शाह ने मणिपुर की सुध ली और माननीय प्रधानमंत्री तो अब भी इससे दूरी बनाए दिख रहे हैं। जातीय संघर्ष का मुद्दा ऐसा नाजुक है कि जरा सी चूक से राजनैतिक नुकसान हो सकता है, शायद इसलिए श्री मोदी कुछ कर ही नहीं रहे हैं। भाजपा सरकार में यूं भी हर समस्या का सबसे आसान इलाज इंटरनेट बंद कर देना है, तो मणिपुर में भी यही किया जा रहा है। 10 जून तक इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया जा चुका है। इस पर 6 जून को एक जनहित याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई है, जिसमें कहा गया है कि 24 दिनों से लगातार पूर्ण रूप से इंटरनेट शटडाउन का असर अर्थव्यवस्था, मानवीय और सामाजिक आवश्यकता तथा नागरिकों और याचिकाकर्ताओं एवं उनके परिजनों की मानसिक अवस्था पर भी पड़ रहा है। गौरतलब है कि इंटरनेट बंद होने से रोजमर्रा के काम, बच्चों की पढ़ाई, बैंकों का काम, कारोबार सभी में अड़चनें आ रही हैं। लगातार कर्फ्यू के साए में जी रहे नागरिकों के लिए यह दोहरी मार है। लेकिन केंद्र और राज्य सरकार कोई ऐसा कदम नहीं उठा पा रहे हैं, जिससे जनजीवन सामान्य हो। राज्य में इस वक्त सेना और असम राइफल्स के करीब 10 हजार जवान तैनात हैं। हिंसा को काबू में लाने के लिए सेना तलाशी अभियान चला रही है। लोगों के पास से हथियार और गोला–बारूद बरामद किए जा रहे हैं। अब तक कुल 868 हथियार और 11,518 गोला–बारूद बरामद किये जा चुके हैं। मणिपुर में हथियार बनाने का कोई कारखाना तो है नहीं, जो लोगों के पास इतनी बड़ी मात्रा में हथियार आ जाएं। जाहिर है हिंसा को जारी रखने के लिए कहीं न कहीं से हथियारों की आपूर्ति की जा रही है और इसका तंत्र एक दिन या एक महीने में बनना संभव नहीं है। हालात बता रहे हैं कि इस तरह की हिंसा को भड़काने की तैयारी काफी पहले से की जा रही होगी, बस मौका मिलने की देर थी। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की मांग ने यह मौका दे दिया। सवाल ये है कि केंद्र सरकार मणिपुर में स्थिति की गंभीरता का आकलन पहले क्यों नहीं कर पाई। म्यांमार की सीमा से लगे मणिपुर में उग्रवाद की समस्या पहले से है, फिर क्यों खुफिया एजेंसियों ने इस बात की सतर्कता नहीं बरती कि स्थानीय लोगों तक हथियार न पहुंचे। जब सीमांत प्रदेश सुरक्षित नहीं हैं, तब किस तरह केंद्र सरकार सुरक्षित और मजबूत प्रशासन का दावा कर सकती है। मणिपुर पूर्वोत्तर राज्य है, लेकिन यह भारत का ही अभिन्न हिस्सा है, इस बात को देश के अन्य राज्यों के लोगों को भी याद रखना होगा। घर का एक हिस्सा जख्मी होता रहे तो बाकियों तक भी उसका दर्द किसी न किसी रूप में पहुंचेगा ही। मणिपुर में इस वक्त जातीय अस्मिता के उन्माद में मानवता को तार–तार किया जा रहा है। कुछ दिनों पहले असम राइफल्स के शिविर पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया और वहां घायल एक बच्चे को जब उसकी मां के साथ एंबुलेंस में ले जाया जा रहा था, तो उग्र भीड़ ने एंबुलेंस को घेर कर उसमें आग लगा दी। युद्ध में सब कुछ जायज होने की बात प्रचलित होने के बावजूद घायलों, बीमारों पर वार न करने की नैतिकता का पालन होता है। यहां तो उस नैतिकता को भी तार–तार कर दिया गया। एंबुलेंस में आग लगाकर तीन निर्दोष जानें ले ली गईं। यह वहशीपन हर हाल में रुके इसके लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी जब भाजपा के लिए वोट मांगने मणिपुर जा सकते हैं, तो शांति की अपील लिए जाने में क्या हर्ज है। अगर वाकई मोदी मैजिक नाम की कोई चीज है, तो उसका इस्तेमाल मणिपुर में क्यों नहीं किया जा रहा।

पाकिस्तान में एटमी हथियार के बदले रोटी का सौदा

स्वतंत्रता के बाद पाकिस्तान अब ऐतिहासिक,अभूतपूर्व वित्तीय कंगाली के दौर से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री नवाज शरीफ हर तरफ से सत्ता में आने के बाद निराशा के गर्त में डूब चुके हैंस पूरी दुनिया के देशों से घूम घूम कर कर्ज मांगने के बाद भी उन्हें फूटी कौड़ी नहीं मिल पाई है पाकिस्तानी जनता रोजी रोटी बिजली पानी के संकट से गुजर रही है और देश में हाहाकार मचा हुआ है। आम जनता विद्रोह पर उतर आई है। पाकिस्तान अपनी गलत नीतियों के कारण दुनिया में अकेला पड़ गया है। आवाम के सामने रोजी–रोटी का संकट पैदा हो गया और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, सऊदी अरेबिया, तुर्की, ईरान ,इराक तथा उसके सबसे बड़ा हिमायती देश चीन ने भी पाकिस्तान को किसी भी तरह के कर्ज देने से इनकार कर दिया हैस पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बड़े विचित्र किंतु सत्य की स्थिति में आ चुके हैं वहां स्थिति अराजक हो गई है ।पाकिस्तान के अंदरूनी हालात प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नियंत्रण से बाहर होकर अब सेना के जनरल असीम मुनीर के हाथों में आ गई हैस सेना पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राष्ट्रद्रोह और मानव हत्या के जुर्म कभी भी गिरफ्तार कर फांसी दे सकती है। पाकिस्तानी इतिहास में भी जनरल जिया उल हक ने 1974 तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो इसी आरोप में 1979 में फांसी पर लटका दिया था वही इतिहास जनरल असीम मुनीर भी दोहराने पर आमादा है। क्योंकि यह तो तय है कि यदि पाकिस्तान में आम चुनाव कराए जाएं तो इमरान की लोकप्रियता के मद्देनजर उनका सत्ता में आना लगभग तय है। इन परिस्थितियों में वर्तमान सरकार और सेना दोनों इमरान और इमरान की पार्टी को समूल नष्ट करना चाहते हैं। पाकिस्तान की कंगाली दूर करने के लिए आई एस आई के करीबी और राजनीतिक विश्लेषक जैद हामिद ने एक फार्मूले का सुझाव दिया है उन्होंने कहा है कि तुर्की और सऊदी अरेबिया को पाकिस्तान सरकार को एटमी हथियार यानी परमाणु बम बेच देना चाहिए उन्होंने कहा परमाणु हथियार तुर्की और सऊदी अरेबिया तथा अन्य अरब देश बम खरीदने को तैयार हो जाएंगे और प्रति परमाणु बम 20 अरब डालर की कमाई हो सकती है 5 परमाणु बम पाकिस्तान किन देशों को बेच देता है तो उसे 100 अरब डालर की कमाई हो जाएगी और उसे कर्ज लेने के लिए दर–दर की खाक नहीं छाननी पड़ेगी, पाकिस्तान का वित्तीय संकट इसे आसानी से दूर किया जा सकता है गजवा के हिन्द के नाम से धमकी देने वाले जैद हामिद पाकिस्तान को यहां तक सलाह दे दी है कि परमाणु बमों के साथ अपने परमाणु मिसाइल भी बेच देने चाहिए जिससे पाकिस्तानी जनता को रोटी नमक तो मिल ही सकता है ।पत्रिका बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट के हवाले से बताया गया की पाकिस्तान के पास वर्तमान में 165 वारहेड का जखीरा उपलब्ध है और 5 वारहेड की कीमत 25 अरब डॉलर की गई है इस तरह 20 वारहेड बेचने से पाकिस्तान को +100 की आसानी से कमाई हो सकती है उसे दर–दर दरवाजे दरवाजे कर्ज मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जैद हमिद ने यहां तक कहा कि पाकिस्तान को एटॉमिक मिसाइल गौरी और गजनवी को भी बेच देना चाहिए इससे पाकिस्तान के पास बड़ा फंड इकट्ठा हो जाएगा और जनता को आटा रोटी और नमक की पूर्ति आसानी से हो सकेगी। अब धीरे–धीरे पाकिस्तान का प्रशासनिक नियंत्रण पाकिस्तान की आर्मी और जनरल मूनीर के हाथों में जाता दिखाई दे रहा है यदि पाकिस्तान में मार्शल ला लग जाता है उन परिस्थितियों में भी पाकिस्तान अगले 10 साल तक अपनी आर्थिक स्थिति से उबर नहीं पाएगा। और यदि पाकिस्तान में आम चुनाव की घोषणा होती है तो पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनसे जुड़ी नौ अलग–अलग राजनीतिक पार्टियों का चुनाव में हार ना लगभग निश्चित है क्योंकि जिस तरह इमरान खान और उसके समर्थकों को जेल में डाला जा रहा है एवं महिला समर्थकों पर अमानवीय अत्याचार किए जा रहे हैं उसके फल स्वरुप इमरान और उसकी पार्टी लोकप्रियता के चरम पर है और चुनाव में उनके जीतने की संभावना प्रबल हो जाती है। ऐसे में पाकिस्तान अपने आर्थिक संकट को दूर करने के लिए अरब देशों को अपने एटॉमिक हथियार बेचने पर मजबूर भी हो सकता है।**–संजीव ठाकुर**

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभावश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

महाराष्ट्र में साम्प्रदायिक दंगे

महाराष्ट्र देश का आधुनिक औद्योगिक ऐसा राज्य माना जाता है जिसकी सामाजिक विरासत बहुत समश्द्ध व वैज्ञानिक तेवरों वाली रही है। इसी राज्य से सामाजिक न्याय का सूत्रपात भी पूरे देश में तब हुआ जब समाज सामन्ती मानसिकता में इस कदर जकड़ा हुआ था कि दलितों को कथित सवर्ण या अभिजात्य कहा जाने वाला समाज खुलकर सांस लेने या पानी पीने की इजाजत भी नहीं देता था और उनके साथ पशुओं से भी बदतर व्यवहार किया करता था। इन वर्गों की शिक्षा की बात तो दूर रही बल्कि इस समाज के मेधावी छात्र डा. भीमराव अम्बेडकर को विद्यालय में अन्य छात्रों के साथ बैठ कर शिक्षा प्राप्त करने की छूट भी नहीं थी परन्तु यह राज्य मध्यकालीन समय में भी आगे देखने में विश्वास रखता था जिसकी वजह से इस राज्य के महानायक छत्रपति शिवाजी महाराज 'कुनबी' या 'पिछड़े वर्ग' के राजा थे। मगर यह अजीब संयोग है कि छत्रपति शिवाजी महाराज की भारत के सन्दर्भ में महत्ता और औरंगजेब के शासन के दौरान उनके 'स्वराज्य' के आह्वान की प्रासंगिकता को पहचानने वाले पहले व्यक्ति समाजवादी चिन्तक व नेता 'डा. राम मनोहर लोहिया' थे जो स्वतन्त्र भारत में स्वयं में सामाजिक न्याय के पुरोधा माने जाते थे। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान छत्रपति शिवाजी को 1936 तक एक छापामार लुटेरा राजा लिखा जाता था। जर्मनी से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद जब डा. लोहिया भारत लौटे और उन्होंने यहां की शिक्षा व्यवस्था पर नजर डाली तो छत्रपति शिवाजी के बारे में तफसील से पढ़ने पर उन्होंने अंग्रेज सरकार के सामने विरोध दर्ज कराया कि शिवाजी महाराज कोई विद्रोही छापामार जागीरदार या राजा नहीं बल्कि स्वराज्य की लड़ाई लड़ने वाले जनता के महानायक थे। वह आम जनता के लोकप्रिय राजा थे और राजा बनने के जातिगत ताने–बाने को तोड़ कर जनता के नायक बने थे। इसी के बाद वह पूरे देश में छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में प्रतिष्ठापित हुए और स्वतन्त्र भारत में पाठ्य पुस्तकों में उन्हें स्वराज्य का मसीहा माना गया। उनकी औरंगजेब से लड़ाई इसलिए नहीं थी कि वह मुसलमान था बल्कि इसलिए थी कि वह मराठों को स्वयं सत्ता करने के अधिकार से वंचित करना चाहता था। वैसे तो छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में भी स्थानीय मुसलमान सिपाही थे मगर वे पहले महाराष्ट्र के थे और मुसलमान बाद में।

सवाल उठना लाजिमी है कि शिवाजी महाराज के इस स्वरूप की खोज डा. लोहिया को ही क्यों करनी पड़ी जबकि हिन्दू महासभा भी इस राज्य में काफी सक्रिय थी? इस सवाल का उत्तर खोजना किसी पत्रकार का काम नहीं है बल्कि इतिहासकारों का काम है। अतः वे इस बारे में प्रकाश डालें परन्तु आज का ज्वलन्त सवाल महाराष्ट्र के सन्दर्भ में यह है कि इसके अहमदनगर, कोल्हापुर, पुणे, संभाजी नगर (औरंगाबाद) जैसे शहरों में मोबाइल फोन पर भेजे जाने वाले सन्देशों व सोशल मीडिया पोस्टों पर औरंगजेब या टीपू सुल्तान के बारे में लिखी गई बातों पर हिन्दू–मुस्लिम समाज में आपस में तनाव फैल रहा है। इसका क्या मतलब निकाला जा सकता है? दोनों सम्प्रदायों के बीच दुश्मनी पैदा होने से क्या किसी को लाभ भी हो सकता है? ऐसे दंगे या तनावों से अर्थव्यवस्था का भारी नुक्सान होता है और स्थानीय स्तर पर तो गरीब आदमी के गुजारा चलाना पूरी तरह मुश्किल हो जाता है वहीं सम्पन्न समझे जाने वाले लोगों का जीवन भी दुष्कर हो जाता है। जब कोई व्यक्ति औरंगजेब की तारीफ में कोई कसीदा काढ़ने का प्रयास करता है तो वह स्वयं अपना ही अपमान करता है फिर चाहे वह किसी भी मजहब का मानने वाला हो क्योंकि औरंगजेब अपनी प्रजा के सरोकारों से बेखबर रह कर सिर्फ अपना मजहबी शासन आगे बढ़ाना चाहता था। इसी वजह से इतिहासकारों ने उसे कट्टरपंथी भी कहा और उसे अन्य मुगल शासकों से अलग रखा। उसके बाद ही मुगल शासन ढेर होता चला गया। बादशाह के रूप में उसका पहला धर्म अपनी प्रजा की सेवा थी मगर वह अपने मजहब की पैरवी को ही अपना धर्म मानता रहा परन्तु वर्तमान में उसके नाम पर आपस में लड़ना सिवाय जहालत के दूसरा काम नहीं हो सकता। यह बात भी समझने वाली है कि हिन्दोस्तानी मुसलमानों को औरंगजेब के कार्यों के लिए जिम्मेदार मानना भी सिवाय जहालत के दूसरा काम नहीं है। मगर राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता श्री शरद पवार ने एक बहुत गंभीर सवाल यह खड़ा किया है कि महाराष्ट्र की वर्तमान शिन्दे सरकार स्वयं ऐसी साम्प्रादायिक हिंसा को बढ़ावा दे रही है। श्री पवार देश के फिलहाल सबसे वरिष्ठतम राजनीतिज्ञ हैं और महाराष्ट्र के ही हैं अतः उनका यह कहना मायने रखता है कि यदि मोबाइल मैसेज संभाजी नगर में चलता है तो पुणे में दंगे क्यों हो जाते हैं? साथ ही हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि अहमदनगर की 1580 से 1590 के लगभग शासिका रहीं 'चांदबीबी' का नाम भारत की वीरांगनाओं में आता है।

वह महाराष्ट्र की रानी लक्ष्मी बाई की तरह देखी जाती हैं। उन्होंने भी मुगल सम्राट अकबर से अपने राज की रक्षा के लिए जंग की थी और उसकी आधीनता स्वीकार नहीं की थी लेकिन ये सब इतिहास की बातें हैं और सजग कौमें कभी भी पिछले वक्तों में हुए अन्याय के लिए अपने वक्तों की नस्लों को कुसूरवार नहीं ठहराती हैं। वरना हमारे सामने पाकिस्तान की नजीर है जिसकी बुनियाद ही नफरत पर पड़ी और आज वह खुद पूरी दुनिया की नफरत का शिकार हो रहा है। साम्प्रदायिक सौहार्द भारत की ताकत रहा है। इसके टूटने से भारत ही कमजोर होता है। औरंगजेब किसी का नायक नहीं हो सकता और शिवाजी पूरे भारत के नायक रहेंगे, यह तथ्य हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

भाजपा कहां कहां बदलेगी अध्यक्ष?

भारतीय जनता पार्टी के तीन शीर्ष नेताओं– अमित शाह, जेपी नड्डा और बीएल संतोष की दो दिन में 10 घंटे से ज्यादा बैठक हुई है। सोमवार की रात को चार घंटे और मंगलवार की सुबह छह घंटे बैठक चली, जिसमें साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा हुई। लेकिन इसके साथ ही संगठन की कमजोरी और ताकत पर भी वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार किया गया है। बताया जा रहा है कि राज्यों से मिली फीडबैक के आधार पर पार्टी के शीर्ष नेताओं का मानना है कि कुछ राज्यों में पार्टी के अध्यक्ष पर्याप्त अनुभव वाले या जमीनी पकड़ वाले नहीं हैं। इसलिए उनके भरोसे लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है। ध्यान रहे साल के अंत में पांच राज्यों में चुनाव हैं लेकिन भाजपा की नजर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर है। सो, तैयारी भी 2024 के हिसाब से हो रही है। जानकार सूत्रों के मुताबिक चार राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा है। इसमें कर्नाटक सबसे ऊपर है। नलिन कुमार कतील को विधानसभा चुनाव से पहले ही बदला जाना था। लेकिन किसी वजह से पार्टी फैसला नहीं कर सकी। चुनाव में भाजपा के बुरी तरह से हारने के बाद प्रदेश अध्यक्ष का बदला जाना तय है। लेकिन कर्नाटक का मामला थोड़ा उलझा हुआ है। वहां भाजपा को विधायक दल का नेता भी तय करना है और यह भी देखना है कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और उनके परिवार को किस तरह से एडजस्ट किया जाए। पार्टी को लिंगायत वोट का ध्यान रखते हुए ओबीसी का भी ध्यान रखना है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान दे रहे हैं। दिल्ली में दो दिन हुई भाजपा नेताओं की बैठक के बाद यह भी कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में भी नया अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है। अभी भूपेंद्र चौधरी अध्यक्ष हैं, जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हैं और जाट समुदाय से आते हैं। किसानों के बाद पहलवानों के आंदोलन से जाटों में भाजपा की हवा बिगड़ी है। सो, पार्टी कोई मजबूत और बड़ा चेहरा लाने के बारे में विचार कर रही है। वैसे उत्तर प्रदेश में पार्टी के पास योगी आदित्यनाथ का चेहरा है और लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए लड़ा जाना है इसलिए पार्टी के कुछ नेता जातीय समीकरण बनाने की संभावना को नकार रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि कोई मुखर हिंदुवादी चेहरा आ सकता है। झारखंड में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा जनवरी से हो रही है लेकिन जेपी नड्डा के कार्यकाल का विस्तार होने के बाद चर्च थम गई थी। अब फिर कहा जा रहा है कि दीपक प्रकाश की जगह नया अध्यक्ष बनाया जा सकता है। पार्टी आदिवासी अध्यक्ष बनाने पर विचार कर रही है। महाराष्ट्र में भाजपा ने पिछले साल अगस्त में चंद्रशेखर बावनकुले को अध्यक्ष बनाया है लेकिन उनकी कमान में लोकसभा चुनाव लड़े जाने को लेकर संशय है। उनकी जगह कोई ज्यादा अनुभवी नेता लाया जा सकता है। बिहार, राजस्थान जैसे राज्यों में नए अध्यक्ष बने हैं तो वहां उनकी टीम का गठन किया जाना है।

पत्रकारों से मुखातिब महापौर गिरीशपति त्रिपाठी

महापौर ने पेश की 100 दिन की महत्वाकांक्षी कार्ययोजना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। नगर निगम के अधिकारियों और पार्षदों की मौजूदगी में महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने 100 दिन की महत्वाकांक्षी कार्ययोजना प्रस्तुत की और कहा कि अयोध्या आधात्मिक व सांस्कृतिक केंद्र के रूप में तैयार हो रही है, नगर निगम की कोशिश इसी के अनुरूप सुविधाओं और व्यवस्थाओं के विकास की है। जिसके लिए विभिन्न विभागों से समन्वय बनाकर एकीकृत विकास किया जायेगा। सबसे ज्यादा जोर जन शिकायतों के निस्तारण और निगम की सेवाओं की उपलब्धता में आधुनिक तकनीकि पर रहेगा। इसके लिए टोल फ्री नम्बर 18003131277 एवं 1533 पर प्राप्त शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित होगा। महापौर ने कहा कि सभी 60 वार्डो में कराये गए जीआईएस सर्वे के आधार पर कर निर्धारण से उपजी उत्पन्न समस्या एवं विसंगतियों समेत प्रकाश, स्वास्थ्य, जलकल, निर्माण सम्बन्धित समस्याओं शिविर लगवा निराकरण कराया जाएगा। सीएम की घोषणा के मुताबिक कुल 763 मठ–मंदिर कर छूट के लिए चिह्नित हैं, इनसे जुडी आपत्तियों को जल्द निस्तारित करवाया जाएगा। 6 माह से अधिक समय से लम्बित व

विवादित नामान्तरण के प्रकरणों को 100 दिन तथा समयावधि पूर्ण कर चुके अविवादित नामान्तरण प्रकरणों को एक माह में निस्तारित करा दिया जाएगा। जलकल विभाग अमानीगंज में स्थापित वाटर टेस्टिंग लैब के माध्यम से पाइपलाइन और टैंकर, हैण्डपम्प, प्याऊ, वाटर कियॉस्क आदि से सभी वार्डों, मेला एवं दीपोत्सव में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करायेंगें। 1150 मीटर पाइप लाइन का विस्तार और इण्डिया मार्क 2 हैण्डपम्प के रिबोर एवं अधिष्ठापन का कार्य होना है। कूड़ा निस्तारण के लिए 02 मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेन्टर,भवनों के ध्वस्तीकरण से निकलने वाले मलबा,अपशिष्ट प्रबन्धन एवं निस्तारण के लिए सीएण्डडी वेस्ट की स्थापना तथा पार्षदों के बैठने व बैठक के लिए हॉल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का लक्ष्य है। 100 दिन की कार्ययोजना को पूरा करने के लिए नगर निगम ने पांच तिथियां तय की हैं। 30 जून तक प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता समितियों का गठन कर डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था, जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर जल निकासी के स्रोतों को सुचारू करने, 27 पारम्परिक नालों की सफाई एवं पम्प की व्यवस्था, त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत 47 36 करोड़ की लागत से विस्तारित क्षेत्रों में 59 सम्पर्क मार्गों को पूर्ण कर लोकार्पित और पं दीनदयाल उपाध्याय योजना में 9.26 करोड़ से अयोध्या जोन के 23 मार्गों का निर्माण व 6.10 करोड़ से 32 पार्कों का जीर्णोद्धार, 3.20 करोड़ से एनीमल बर्थ कण्ट्रोल भवन पूर्ण कर बंधयाकरण शुरू करने और 50 लाख से कुशमाहा तालाब का सौन्दर्यीकरण पूरा कराने का लक्ष्य है। 15 जुलाई तक . मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना में विस्तारित क्षेत्र में 11.39 करोड़ से 24 सड़कों के निर्माण, 20 जून तक वैसिंह गौशाला का विस्तार और गोबर से तैयार दीपक, मूर्ति, गो काष्ठ वर्मी कम्पोस्ट आदि की बिक्री शुरू कराने, 31 जुलाई तक कूड़ा संग्रहण के लिए रूट चार्ट, प्रापर्टी मैपिंग डाक्यूमेंटेशन, 07 वार्डो में अलग–अलग गीला एवं सूखा कूड़ा संग्रहण, 06 वार्डों में कूड़े का पृथक्करण एवं कम्पोस्ट तैयार करने, कूड़ा संग्रहण की ऑनलाइन मॉनीटरिंग, भवनों पर क्यूआर कोड स्थापित करने, ज्यादा कूड़ा निकालने वाले होटल, मैरिज लॉन, रेस्टोरेंट आदि से कूड़ा संग्रहण तथा जुर्माना वसूली की व्यवस्था होनी है।

चार दिन से लापता बच्ची का नहीं मिला कोई सुराग, पुलिस की टीमें तलाश में जुटी

कानपुर। कानपुर के नवाबगंज में एक 10 साल की बच्ची संदिग्ध हालात में लापता हो गई। चार दिन बाद भी पुलिस बच्ची का कोई सुराग नहीं लगा सकी। इसके बाद परिजनों की तहरीर पर नवाबगंज थाने में बच्ची के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की है। बच्ची की तलाश के लिए पुलिस की तीन टीमें काम कर रही हैं, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका है। नवाबगंज थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि टीवी अस्पताल झोपड़पट्ध्टी में रहने वाले सूरज ने बताया कि उनकी 10 साल की बहन पुन्ना है। पुन्ना बीते 6 जून को समोसा लेने के लिए घर से बाहर निकली थी, लेकिन लौटकर नहीं आई। अपनी बहन की तलाश में सभी रिश्तेदारों और नजदीकियों के यहां संपर्क किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। नवाबगंज पुलिस को भी सूचना दी लेकिन पुलिस भी कोई सुराग नहीं लगी। सूरज ने आशंका जताई है कि उनकी बहन के साथ अनहोनी करने के बाद लापता कर दिया गया है। नवाबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि बच्ची की तलाश में कई टीमों को लगाया गया है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। बच्ची की तलाश में लगी नवाबगंज थाने की पुलिस ने समोसे की दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो सामने आया कि बच्ची समोसा लेने गई थी।

वर्ष 2026 तक निपुण प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करते हुए उ0प्र0 को देश का प्रथम निपुण प्रदेश बनाने के लिए संकल्पबद्ध- संदीप सिंह

लखनऊ। उ0प्र0 के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि भारत की जी–20 की अध्यक्षता में स्कूल शिक्षा को केंद्रीय बिंदु के रूप में रखना तथा प्राथमिक शिक्षा में सक्रिय जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु प्रधानमंत्री के विजन एवं मुख्यमंत्री के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में उ0प्र0 में महत्वपूर्ण गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरे जनमानस को जोड़ने की आवश्यकता है, जनसमुदाय तथा अभिभावकों को जोड़ने हेतु प्रदेश में संचालित जनभागीदारी कार्यक्रमों में छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय सहित विभिन्न हित धारकों के बीच जागरूकता और गर्व की भावना का विकास प्रदर्शित हो रहा है। मा0 मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में निपुण भारत मिशन विगत एक वर्ष से पूरे जोर शोर से संचालित किया जा रहा है। प्रारम्भ से ही उ0प्र0 ने इस दिशा में बढ़त बनाई है और वर्ष 2026 तक निपुण प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त करते हुए उ0प्र0 को देश का प्रथम निपुण प्रदेश बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। यह बातें संदीप सिंह ने आज इन्दिरा गांधी प्रतिस्थान गोमतीनगर लखनऊ में आयोजित जी–20 जनभागीदारी राज्य स्तरीय शिक्षा कार्यशाला में दीप प्रज्जवलित करने के

उपरान्त कही। उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में मानव संपदा पोर्टल पर अध्यापकों के सेवा संबंधी मामले जैसे नियुक्ति, तैनाती, वेतन भुगतान, एरियर, अवकाश, सेवा निवृत्त देयों का भुगतान, पदोन्नति, स्थानांतरण आदि की पारदर्शी व्यवस्था आनलाइन प्रणाली के माध्यम से निस्तारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दीक्षा पोर्टल पर अध्यापकों को आनलाइन प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है, इसके साथ ही दीक्षा पोर्टल या अध्यापकों की सुविधा हेतु 8500 से अधिक वीडियोज उपलब्ध कराये गये हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिससे संपूर्ण देश में थ्वनद. कंजपवदंस स्पजमतंबल ंदक छनउमतंबल – बुनियादी साक्षरता एवं गणना ज्ञान के प्रति जन जागरूकता पैदा की जा सके। इस पहल के माध्यम से बृहद स्तर पर फाउंडेशनल और संख्यात्मक कौशल तथा जी–20 के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु छात्रों, शिक्षकों, माता–पिता और पूरे समुदाय सहित हितधारकों को जानकारी प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका सत्र 2023–24, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका भाषा सत्र 2023–24, कला सृजन भाषा–1 तथा मनोविज्ञान एवं निर्देशन विभाग (मनोविज्ञान शाला) पुस्तकाओं का विमोचन किया।

संक्षिप्त खबरे

सुरसा पुलिस ने नकली नोट बनाने वाले दो आरोपियों को 16 हजार 200 रुपये नकली नोटों के साथ किया गिरफ्तार

हरदोई। अपराध नियन्त्रण व अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक कुशल निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में थाना सुरसा पुलिस द्वारा 02 शातिर अभियुक्तों को 16 हजार 200 रुपये (कूटरचित भारतीय मुद्रा) सहित गिरफ्तार किया।

मिली जानकारी के अनुसार,थाना सुरसा पुलिस टीम थाना क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन चौकिंग में मामूर थी तभी मुखबिर खास द्वारा सूचना दी गयी कि ग्राम पसहइया स्थित मंदिर के निकट 02 व्यक्ति मौजूद है जिनके पास भारतीय मुद्रा के कुछ जाली नोट है सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर ग्राम पसइया स्थित मंदिर के निकट से 02 व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पकडे गए व्यक्ति से उनका नाम व पता पूछने पर उनका नाम रामू सिंह उर्फ नरायन सिंह पुत्र अरुण सिंह ग्राम सुगबां थाना सांडी व महेंद्र पाल पुत्र रामपाल ग्राम खुदुई फतियापुर थाना सुरसा ज्ञात हुआ तथा उनकी जामातलाशी लेने पर उनके कब्जे से 16 हजार 200 रुपये (कूटरचित भारतीय मुद्रा) बरामद की गयी ।पुलिस टीम द्वारा पकड़े गए अभियुक्तों से बरामद कूटरचित मुद्रा के विषय में कड़ाई से पूछताछ की गयी तो प्रकाश में आया कि दोनों शातिर अभियुक्त कूटरचित भारतीय रुपयों को बाजार में चलाकर अपना जीवन यापन करते थे।

तेज रफ्तार कार ने महिला को रौंदा,मौत

कानपुर। नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित मरियमपुर चौराहे के पास जूस का ठेला लगाने वाली महिला जयंती देवी (50) की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। साथ चल रहे बेटे अमित और अजीत उन्हें देर रात एलएलआर अस्पताल ले गए। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बेटे के अनुसार वह ठेला लेकर घर लौट रहे थे पीछे पीछे मां चल रही थी। तभी नजीराबाद की ओर से आ रही कार ने तेजी से यू टर्न लिया और किनारे चल रही मां को टक्कर मारता हुआ फरार हो गया। सूचना पर पहुंची नजीराबाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नजीराबाद थानाध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया परिजनों की तहरीर के आधार पर अज्ञात कार सवार की पहचान कर कार्रवाई की जायेगी।

युवक और महिला ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। कल्याणपुर के बैरीखेड़ा निवासी राहुल गुप्ता (36) एक ट्रैवल एजेंसी की कार चलाते थे। छोटा भाई आर्यन और परिजन साहब नगर में रहते हैं जबकि राहुल पांच साल से किराए पर अलग रहता था। गुरुवार देर रात उसने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मकान मालिक की सूचना पर परिजन व पुलिस मौके पर पहुंचे। छोटे भाई आर्यन ने बताया कि राहुल नशे के लती थे। वहीं बर्रा–आठ वरुण विहार निवासी मुकेश सिंह सेंगर की पत्नी गुड्डी सिंह (45) ने पारिवारिक कलह के चलते फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। गुड्डी के दो बेटे शिवम और सौरभ हैं। महिला का शव देखकर स्वजन का रो–रोकर बुरा हाल हो गया।

बोलेरो ने की टक्कर से बाइक सवार पत्नी की मौत, पति गंभीर

बीकापुर–अयोध्या। अयोध्या–प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार को तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठे पति–पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के बिलारी माफी गांव निवासी 65 वर्षीय कृष्णा यादव अपनी पत्नी सरोजा देवी के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे। वह बिलारी माफी तिराहे के समीप हाईवे पर पहुंचे थे तभी तेज गति से आ रही बोलेरो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में पति–पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सरोजा देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं कृष्णा यादव की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जिले के कई दरोगा इधर से उधर किए गए

रायबरेली। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने जनपद के विभिन्न थानों में तैनात एक दर्जन उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किया है ।इसी के साथ पूर्व में किए गए दो उप निरीक्षकों के स्थानांतरण को निरस्त कर दिया गया है। एसपी ने पूर्व में महाराजगंज कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक आशीष मलिक का नगर कोतवाली में किया गया स्थानांतरण निरस्त कर दिया गया है। इसी के साथ लालगंज कोतवाली के नरपतगंज चौकी प्रभारी मनोज यादव का ऊंचाहार कोतवाली में किया गया स्थानांतरण भी निरस्त कर दिया गया है। इसके अलावा नगर कोतवाली के उपनिरीक्षक पीयूष वर्मा का नसीराबाद थाना के पुलिस चौकी पराया नमक सार में किए गए स्थानांतरण को निरस्त करते हुए उन्हें मिल एरिया कोतवाली में तैनात किया गया है। जबकि सरेनी कोतवाली से उप निरीक्षक राहुल मिश्रा को सलोन कोतवाली के करहिया पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है। चुनाव कार्यालय में तैनात उपनिरीक्षक शिव बाबू को बछरावां थाने की थुलेंडी पुलिस चौकी का प्रभारी बनाया गया है। नसीराबाद थाने में तैनात उपनिरीक्षक राजकुमार को इसी थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी परैया नमक सार का प्रभारी बनाया गया है ।लालगंज कोतवाली उपनिरीक्षक अजय मिश्रा को नगर कोतवाली का वरिष्ठ उपनिरीक्षक बनाया गया है। सलोन कोतवाली से उपनिरीक्षक संजय कुमार पाठक को सरेनी भेजा गया है, जबकि करहिया चौकी इंचार्ज रहे संजय कुमार सिंह को लालगंज कोतवाली में तैनात किया गया है। पुलिस लाइन से श्री प्रकाश पांडे को भदोखरऔर सूर्यपाल सिंह को गुरुबक्सगंज थाना में तैनाती दी गई है।

सपा विधायक ने स्वीमिंग पूल के अंदर प्रदर्शन,उद्घाटन के बाद से अभी तक नहीं खोले जाने का आरोप

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। कानपुर में आर्य नगर सीट से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई के प्रदर्शन का वीडियो सामने आया है। विधायक स्वीमिंग पूल के अंदर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान विधायक ने कहा सीएम योगी ने 63 दिन पहले नानाराव पार्क के स्वीमिंग पूल का उद्घाटन किया था। इसके बाद भी पूल को जनता के लिए नहीं खोला गया। ये मुख्यमंत्री की अवमानना है।

इसलिए मैं पूल में जल प्रवास कर रहा हूं। वहीं, पूल के बाहर बैठे सपा कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। सपा विधायक ने कहा,स्मार्ट सिटी के कार्यों में बड़ा घोटाला हुआ है। विकास कार्यों की लागत से बढ़ाकर टेंडर कराए गए। 4 दिन पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की बैठक में भी अधिकारी गायब रहे। अधिकारी बेपरवाह हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के सम्मान का ख्याल भी नहीं रहता है। पूल को लेकर पहले भी दे चुके हैं धरना इससे पहले भी अमिताभ बाजपेई

ने 31 मई को स्वीमिंग पूल के बगल में बैठकर युवाओं के साथ धरना–प्रदर्शन किया था। उनके मुताबिक युवाओं के लिए ये स्वीमिंग पूल बेहद जरूरी है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत करोड़ों रुपए खर्च का इसका रेनोवेशन किया गया है। बताया गया था कि पूरे साल इसमें लोग तैराकी सीख सकेंगे। लेकिन 6 अप्रैल को उद्घाटन के बाद से इसे अभी तक नहीं खोला गया। विधायक के मुताबिक,उन्होंने 25 मार्च और 18 मई को दो बार यहां का निरीक्षण किया। इसे जल्द शुरू करने के लिए कई बार अधिकारियों से बात की। लेकिन कोई भी सुनने वाला नहीं है। इस मामले को लेकर विधायक ने नगर विकास मंत्री को ज्ञापन भी सौंपा है। अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

आत्मदाह करने से पहले पुलिस कर्मियों ने रोक लिया

लखनऊ । जमीन विवाद के मामले में सुनवाई न होने से उन्नाव का आक्रोशित परिवार शुक्रवार को विधानसभा के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर तैनात सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक लिया। इस प्रकार से एक बड़ी घटना सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी की चलते टल गई। इसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही इसके बाद जनपद की पुलिस को भी सूचित कर दिया गया है। एसीपी हजरतगंज अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि विधानसभा के सामने आत्मदाह नहीं धरने पर बैठने का प्रयास किया था। यह परिवार उन्नाव के मौरावां निवासी किसान बलजीत अपनी पत्नी, मां, बच्चों और बहन संग विधानभवन के पास पहुंचा। इसके बाद धरना देने का प्रयास किया तो पुलिस ने उन्हें पकड़कर महिला थाने लेकर आयी। इनका कहना था कि पड़ोसियों से जमीन का विवाद है। पड़ोसी जबदरस्ती उनके जमीन पर कब्जा करना चाहते है। उन्होंने जब विरोध किया तो उनके घर में घुसकर मारपीट की।

भोगनीपुर कोतवाली के इंस्पेक्टर,दरोगा और एक हेड कांस्टेबल ने सराफा कारोबारी से 50 किलो चांदी लूटी

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली के इंस्पेक्टर, दरोगा और एक हेड कांस्टेबल ने चार दिन पहले कार का पीछा कर जनपद औरैया कोतवाली क्षेत्र में सराफा कारोबारी से 50 किलो चांदी लूट ली। कारोबारी की शिकायत पर औरैया एसपी की सूचना पर देहात एसपी ने गुरुवार देर रात भोगनीपुर कोतवाल के आवास से पूरी चांदी बरामद कर ली। मामले में इंस्पेक्टर अजलपाल व दरोगा चिंतन कौशिक को औरैया पुलिस को सौंप दिया है। जबकि हेड कांस्टेबल फरार हो गया। देर रात इंस्पेक्टर के आवास से 50 किलो चांदी बरामद हुई और औरैया टीम मौके पर आ गई थी, जो इंस्पेक्टर व दरोगा को ले गई है।

जबकि हेड कांस्टेबल की तलाश की जा रही है। आगरा जाते समय लूटी चांदी जनपद आगरा के सराफा कारोबारी मनीष सोनी मंगलवार रात चांदी लेकर फतेहपुर से आगरा जा रहे थे। गुप्त सूचना पर भोगनीपुर इंस्पेक्टर अजयपाल सिंह ने दरोगा चिंतन कौशिक व हेड कांस्टेबल रामशंकर उसके पीछे लग गए और औरैया सीमा में व्यापारी को रोककर चांदी लूट ली और वहां से भाग निकले। कारोबारी ने बुधवार को औरैया पुलिस को इसकी सूचना दी। इस पर एसपी औरैया ने कानपुर देहात एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति को जानकारी दी। गुरुवार की देर रात औरैया और कानपुर देहात एसपी खुद बाइक से इंस्पेक्टर के आवास पहुंचे और संयुक्त छापेमारी कर चांदी बरामद कर ली। एक्सप्रेसवे पर पहले से खड़ी थी सफेद स्कार्पियोकार चालक जगनंदन पाल चला रहा था। बताया कि रात लगभग 2रू20 बजे जैसे वह लोग बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 244 व 245 के बीच पहुंचे, तभी वहां पहले से ही एक सफेद रंग की स्कार्पियो गाड़ी खड़ी थी। पास पहुंचने पर एक दरोगा वर्दी पहने युवक व एक सिपाही की वर्दी में खड़े युवक ने रोक लिया।

मासूम संग दवा लेने गई मां हुई लापता

रायबरेली। मासूम संग दवा लेने गई मां लापता हो गई है। घर वापस नहीं आने पर परिजनों ने उसकी खोज की। जिसका कोई सुराग नहीं लग पाया है। उसके बाद पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। भदोखर थाना क्षेत्र के भोला का पुरवा मजरे कनोली निवासी गंगा प्रसाद की बेटी गरिमा का विवाह पांच साल पहले महराजगंज थाना क्षेत्र के पहरेमऊ निवासी जितेंद्र के साथ हुआ था। लेकिन पिछले छह माह से गरिमा अपनी बेटी पलक संग अपने माइके में रह रही थी। सोमवार को सुबह दस बजे के करीब गरिमा अपनी तीन साल की बेटी पलक को लेकर दवा लेने की बात कहकर घर से निकली थी। उसके बाद वह वापस नहीं लौटी। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजन नाते ,रिश्तेदारी पता लगाते रहे। लेकिन जब उनका कहीं पता नहीं चला तो गरिमा के पिता ने थाने में इसकी सूचना दी।

कुमारगंज अस्पताल में भर्ती महिला

मिल्कीपर–अयोध्या। मिल्कीपुर में पति की कहासुनी और शक करने की आदत से परेशान महिला ने थाना कुमारगंज गेट के सामने जहर निगल कर आत्महत्या करने का प्रयास किया। समय रहते इलाज के लिए उसे पुलिस सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने इलाज करना शुरू किया लेकिन स्वास्थ्य बिगड़ता देख चिकित्सकों ने जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कुमारगंज क्षेत्र के बलारमऊ पूरे भरत गांव निवासिनी रेनू पत्नी विजय उपाध्याय के बीच बृहस्पतिवार की देर रात किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। सुबह विजय उपाध्याय बिना कुछ कहे ही मेहनत मजदूरी के सिलसिले में अयोध्या चले गए । इसी बात को लेकर महिला ने शुक्रवार को कुमारगंज थाना गेट के सामने पहुंचकर जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे वह बेहोश होकर गिर गई । घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए मामले की जानकारी जब कुमारगंज पुलिस को हुई तो थाने के उपनिरीक्षक शंकर लाल यादव, कांस्टेबल राहुल सिंह व अनुज कुमार ने महिला को आनन–फानन में उपचार के लिए निकटतम 100 शैय्या अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया लेकिन हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। महिला ने पुलिस को बताया कि मेरे पति मेरे चरित्र पर शक करते हैं इसी बात को लेकर कहासुनी और गाली गलौज होती रहती है। इसी से तंग आकर मैंने यह कदम उठाया है। प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज संजीव सिंह ने बताया कि डॉक्टरों ने महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर कर दिया । महिला का पति मेहनत मजदूरी के लिए अयोध्या गया हुआ था फिलहाल घटना से अवगत करा दिया गया है यदि महिला द्वारा तहरीर दी जाती है तो जांच कर विधिक कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीणों ने बताया कि जिस महिला ने जहर खाया है उसके 4 बच्चे भी हैं, तीन बेटियों की शादी कर चुकी है वही अभी लगभग 10 वर्ष का बेटा अपनी पढ़ाई लिखाई कर रहा है। महिला का पति अयोध्या में मेहनत मजदूरी करता है।

सपा महानगर कार्यालय पर आयोति धन्यवाद बैठक

सपा में सभी वर्गो को जोड़ने का किया जाए काम : पवन पाण्डेय

अयोध्या। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर एक धन्यवाद बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महासचिव हामिद जाफर मिशम ने किया बैठक में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव व पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन मौजूद रहे बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने नगर निगम में सभी जीते हुए प्रत्याशियों को धन्यवाद देते हुए कहा नगर निगम के चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं नेताओं ने पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए भरपूर सहयोग किया उन्होंने कहा अब कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी संगठित होकर करें जिससे आने वाले चुनाव में सपा के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी में सभी वर्गों को पार्टी में जोड़ने का काम

किया जाए आज उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है अपराधी बेखौफ होकर भरी अदालत में पुलिस अभिरक्षा में हत्या कर रहे हैं जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा पार्टी के प्रत्याशियों को सभी वर्ग के लोगों का मत मिला उन्होंने नगर निगम में जीते हुए सभी प्रत्याशी अपने अपने क्षेत्र में जाकर जनता की समस्याओं का निराकरण करें महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने बैठक में आए हुए सभी नेताओं कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए आगामी लोकसभा के चुनाव की तैयारी मैं सभी लोग एकजुट होकर अभी से ही घर घर जाकर तैयारी करें जिस से आने वाले लोकसभा के चुनाव में प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो और अयोध्या लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी का परचम लहराया जा सके।

यूपी में कानून–व्यवस्था बेहतर हुई तो बढ़ रहा निवेशः शर्मा

शहरी विकास मंत्री ने सीआईआई इंडस्ट्री के कार्यक्रम में रखे विचार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। 2027 तक उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बनाना है, ये बातें शुक्रवार को उद्योग जगत को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के शहरी विकास और ऊर्जा, कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने लखनऊ में सीआईआई इंडस्ट्री इंटरेक्शन ऑन बिल्डिंग ए रेजिलिएंट इकोनॉमी में आयोजित सत्र में यूपी की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर और भारत के लिए 9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्यों में विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अतीत में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। जिस तरह से भारत और यूपी वन नेशन, वन टैक्स जैसी पहल के साथ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जरिए उद्योग जगत को सुविधा प्रदान कर रहे हैं, उससे वर्तमान में आश्वासन पैदा होता है। कहा कि

राज्य के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया, जिसके कारण लगभग 33.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश ब्याज के 20,000 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, यह राज्य के परिवर्तन का प्रतिबिंब है। मंत्री ने कहा कि यह तीन प्रतिमान बदलावों का परिणाम है। कानून–व्यवस्था की स्थिति, जो किसी भी निवेश निर्णय का प्रारंभ बिंदु होती है, बेहतर हो गई है। वेल्थ क्रिएशन की दिशा में राज्य सरकार बदल रही है मानसिकताय धन सृजन आज समाज की प्रगति के लिए आवश्यक माना जाता है।

और अंत में, यूपी के युवाओं की शक्ति का दोहन करने के लिए सरकार उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा दे रही है।

पुलिस ने किशोर को बाल सुधार गृह भेजा

लखनऊ। राजधानी के इंदिरनगर थानाक्षेत्र के तहरोही में एक छात्रा का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला था। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाते तहरीर दी थी। पुलिस ने दुष्कर्म के बाद हत्या का मुकदमा दर्ज करने के बाद छात्रा के शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म स्पष्ठ नहीं है। जिसकी वजह से सैंपल जांच के लिए भेजा गया है।

केवल गला दबाकर छात्रा की हत्या करने की बात सामने निकल कर आयी है। अब वहीं इस पूरे मामले को पुलिस ऑनर किलिंग के एंगल पर भी जांच शुरू कर दी है। चूंकि जिस वक्त छात्रा का फांसी पर लटका शव मिला था उस समय घर पर माता–पिता मौजूद नहीं थे।

मां बाहर से जब घर की तरफ आ रही थी तब वह आरोपी नाबालिग को घर के सामने से भागते देखा था। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद किशोर को बाल सुधार गृह भेज दिया है।

भाई ने भाई के साथ किया घात, फर्जी व्यक्ति को खड़ा कर कराया फर्जी बैनामा

संडीला,हरदोई। कछौना क्षेत्र के अंतर्गत उप निबंधन (रजिस्ट्रार)कार्यालय संडीला में सगे भाई के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को खड़ा करके सगे भाई ने फर्जी बैनामा कराया। खतौनी निकालने पर भाई को मिली फर्जीवाड़े मामले की जानकारी। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली संडीला में चार लोग सहित एक व्यक्ति अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, कोतवाली कछौना के निवासी किसान गुरूबक्स पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम धंधार मजरा कामीपुर कछौना के सगे भाई पूर्व कोटेदार रामवीर ने कृषि भूमि गाटा संख्या 1085,1156,1366,1589,1590 की लगभग 15 बीघा भूमि अपने सगे भाई गुरबक्स के स्थान पर फर्जी व्यक्ति को खड़ा करके तीन माह पूर्व उप निबंधन कार्यालय संडीला में अपने नाम बैनामा करा लिया। पीड़ित किसान को आवश्यक कार्य हेतु खतौनी निकालने पर फर्जी बैनामा की जानकारी हुई। तो वह हतप्रभ रह गया। तीन माह की अवधि बीत जाने के कारण दाखिल खारिज हो चुकी हैं। राजस्व विभाग बिना कोई सूचना दिए भूमि को अभिलेखों में दर्ज कर दी हैं। नियमानुसार क्रेता व विक्रेता दोनों व्यक्तियों को लिखित रूप से सूचना किया जाता है। राजस्व कर्मी की स्थली रिपोर्ट के आधार पर दाखिल खारिज होती है। यह सब कार्य गोपनीय तरीके से किए गए हैं। पीड़ित किसान ने पूरे मामले की शिकायत शासन प्रशासन से की है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चार नामजद गवाह बांकेलाल पुत्र उमराय निवासी धंधार व शोभित पुत्र किशन निवासी बिराहिमपुर मिश्रिख जनपद सीतापुर(गवाह) व अधिवक्ता मोहम्मद जकी तहसील संडीला क्रेता रामवीर पुत्र छोटेलाल निवासी धंधार व एक व्यक्ति अज्ञात फर्जी विक्रेता के विरुद्ध कोतवाली संडीला में अपराध संख्या 0243ध2023 धारा 419,420,467,468,471, 120बी० के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। रजिस्टर ऑफिस सण्डीला में इस तरह के मामले से भ्रष्टाचार उजागर हुआ। जबकि योगी सरकार जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार रजिस्टार ऑफिस में निर्धारित फीस से ज्यादा धनराशि वसूली जाती है।

अधिवक्ता हत्याकांड: नीरज के सिर पर कई दुश्मनों का हाथ,मिलकर रची हत्या की साजिश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मेरठ । नीरज शर्मा की माली हालत ठीक नहीं है। वो घर का भी खर्च नहीं उठा पाता है। पूरे घर की जिम्मेदारी उसकी पत्नी श्वेता शर्मा पर ही है। ऐसे में नीरज शर्मा की इतनी हैसियत नहीं है कि वो शूटरों का खर्चा उठा सके। वारदात के बाद से ही सुरेश भाटी भी फरार है। ऐसे में पुलिस का मानना है कि भाटी ने नीरज को मोहरा बनाकर इस हत्याकांड को अंजाम दिलाया है। पुलिस भाटी की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ दबिश दे रही है।

अंजली गर्ग जिस मकान में रहती थी, वो उसके पूर्व ससुर पवन गुप्ता की पत्नी के नाम था। पवन गुप्ता ने करोड़ रुपये की कीमत का ये मकान 27 लाख रुपये में बेच दिया था। मकान खरीदने वाले तीन लोग थे, इनमें टीपीनगर का सुरेश भाटी, शालू बेकरी का मालिक यशपाल और एडवोकेट प्रदीप शर्मा। सुरेश भाटी ने एक बार अंजली को बाहर निकालकर मकान पर कब्जा भी कर लिया था। अंजली की शिकायत के बाद सुरेश भाटी, यशपाल समेत पांच लोगों पर डकैती का मुकदमा हुआ और वे जेल गए। ऐसे में अंजली का सबसे ज्यादा नफरत यही लोग करते थे। अंजली की हत्या के ठीक बाद से सुरेश भाटी और यशपाल के मोबाइल बंद हैं। दोनों ही घर से फरार हैं। नीरज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का मानना है कि दोनों इस घटना में शामिल हो सकते हैं, इसलिए फरार हैं। इन सबमें सुरेश भाटी सबसे दबंग भूमिका में है। उसने सहारनपुर में एक दरोगा से सेटिंग करने के बाद अंजली के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया था। ऐसे में पुलिस का सबसे पुख्ता शक उसी पर है। माना जा रहा है कि उसने नीरज को अंजली हत्याकांड की साजिश में शामिल किया। पूरी प्लानिंग बनाई गई। इसके बाद शूटरों से घटना को अंजाम दिला दिया। हत्या के बाद न होगी पैरवी, करोड़ों की संपत्ति से छूटेगा कब्जा सबको पता था कि अंजली अकेली रहती है। मायके वालों से भी उसका कोई वास्ता नहीं है। ऐसे में अगर उसकी हत्या हो जाएगी तो कोई पैरवी भी नहीं करेगा। करोड़ों की संपत्ति से भी कब्जा छूट जाएगा। पुलिस का मानना है कि एक साथ मिलकर उसके कई दुश्मनों ने पूरी साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिलाया है।

ये है घटना

टीपीनगर में शेखो पेट्रोल पंप के पीछे न्यू मेवला कालोनी में रहने वाली महिला अधिवक्ता डॉ. अंजली गर्ग की बुधवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नितिन गुप्ता से तलाक के बाद अंजली गर्ग यहां पर अकेली रहती थीं। उनका पूर्व ससुर पवन गुप्ता से मुकदमा चल रहा था। अंजली रोज की तरह सुबह साढ़े छह बजे डेयरी से दूध लेने गई थीं। दूध लेने के बाद वो वो घर के गेट पर पहुंची तो पीछे से आए स्कूटी सवार युवकों ने कनपटी से सटाकर गोली मार दी थी।

अंजली की मौके पर ही मौत हो गई थी। हत्याकांड में अंजली के परिजनों ने पूर्व पति नितिन गुप्ता और उसके पिता पवन गुप्ता को नामजद करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया हुआ है। इनके अलावा अंजली से जिन लोगों को विवाद था उन सभी के परिजनों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ में जुटी है।

गैंगस्टर मामले में मिली 10 साल की सजा के खिलाफ मुख्तार अंसारी की अपील मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर मामले में मिली 10 साल की सजा के खिलाफ माफिया मुख्तार अंसारी की अपील मंजूर कर ली है। कोर्ट ने मुख्तार अंसारी की अपील सुनवाई के लिए किया मंजूर करते हुए निचली अदालत से रिकॉर्ड तलब किया है। इस मामले में हाईकोर्ट में मुख्तार अंसारी की जमानत पर 24 जुलाई को सुनवाई होगी। गैंगस्टर एक्ट के मामले में गाजीपुर की स्पेशल कोर्ट ने मुख्तार अंसारी को दस साल की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ मुख्तार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शुक्रवार को जस्टिस विक्रम डी चौहान की एकल पीठ ने मुख्तार की अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और निचली अदालत से रिकॉर्ड तलब किया है। इस मामले में मुख्तार की जमानत अर्जी पर सुनवाई 24 जुलाई को होगी। हाईकोर्ट में मुख्तार की तरफ से उनका पक्ष अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने रखा।

माफिया मुख्तार अंसारी को इसी साल 29 अप्रैल को दस साल की सजा सुनाई गई थी। यह सजा गाजीपुर की स्पेशल कोर्ट ने सुनाई थी।

माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर गरीबों को आबंटन के लिए निकाली गई लॉटरी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज । यूपी में माफियाओं के कब्जे से खाली कराई गई जमीन पर गरीबों के लिए आशियाने बनाने का सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट अब धरातल पर उतर आया है। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रयागराज में इसकी बुनियाद स्वयं सीएम योगी आदित्यनाथ ने रखी थी जो अब बनकर तैयार है। शुक्रवार को इन फ्लैट्स के लिए आवेदन करने वाले पात्र लोगों के बीच 76 लोगों के लिए फ्लैट्स की लॉटरी निकाली गई। प्रयागराज शहर के लूकरगंज इलाके की जिस जमीन पर माफिया अतीक अहमद का अवैध कब्जा था। शुक्रवार को मिट्टी में मिल गए माफिया की उसी जमीन पर सरकार की तरफ से गरीबों के लिए बनाये गए शानदार फ्लैट्स के लिए लोटरी निकाली गई। इसे लेकर शहर के इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन सभागार में प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने एक समारोह आयोजित किया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के वीसी अरविंद सिंह चौहान की अगुवाई में यहाँ लाटरी निकाली गई।

लॉटरी आवंटन में सबसे पहला नाम आया प्रयागराज की ही दिव्यांग महिला शांति देवी का। शांति देवी के पति कोरोना का शिकार होकर दिवंगत हो चुके है। किराए के एक मकान में रह रही शांति देवी को अब योगी सरकार ने माफिया अतीक अहमद के इस जमीन पर बने आशियाने के फ्लैट्स की पहली चाबी सौपी जिसे पाकर शांति देवी की आंखों में आंसू छलक आए। शान्ति देवी का कहना है कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोंचा था शहर के अन्दर उनका अपना सपनो का घर होगा। गौरतलब है कि शहर के लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से खाली कराई गई 1731 वर्ग मीटर जमीन पर गरीबों के लिए ये 76 फ्लैट बनाये गए हैं जिनमे 458.88 लाख की लागत आई है। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत 458.88 लाख की लागत से यहाँ 76 ग्रीन फ्लैट्स बनकर तैयार हैं। इसमें एक फ्लैट की लागत 6 लाख आ रही है। इसमें से डेढ़ लाख का अनुदान भारत सरकार देगी, जबकि एक लाख का अनुदान राज्य सरकार की ओर से दिया गया है । शेष 3.50 लाख योजना में चयनित आर्थिक रूप से कमजोर लाभार्थियों को देना होगा। विकास प्राधिकरण कब्जा सौपने और इनकी चाबी वितरण के लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित करेगा।

संक्षिप्त खबरे

चलती ट्रेन में उतरने का प्रयास करते गिरी महिला, सिपाही ने बचाई जान

प्रयागराज । छिवकी जंक्शन पर बृहस्पतिवार रात ट्रेन से उतरते समय एक महिला का पैर फिसल गया। मौके पर तैनात आरपीएफ के सिपाही ने तत्परता दिखाते हुए महिला को किसी तरह से बाहर निकाला। इस दौरान महिला के कमर में चोटे आई हैं। सिपाही की बहादुरी और तत्परता की काफी तारीफ हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अल्का पांडेय (42) पत्नी मंगलेश्वर पांडेय बृहस्पतिवार की रात को अपनी बहन कोमल दुबे को ट्रेन में बैठाने आई थीं। ट्रेन चलने पर वह बोगी से उतरने लगीं इसी दौरान उनका पैर फिसल गया। प्लेटफार्म नंबर तीन पर रात पौने आठ बजे के करीब हुए हादसे के वक्त उप निरीक्षक अशरफ अली खान मौके पर मौजूद थे। महिला के ट्रेन से फिसलते ही मौके पर मौजूद कांस्टेबल शशिकांत कुमार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए महिला को हाथ पकड़कर बाहर निकाला लिया। निकलने के पश्चात् देखा कि महिला को कमर में चोट लगी है रेल प्रशासन द्वारा तुरंत महिला को प्राइवेट साधान से हेड कांस्टेबल सतीश कुमार मिश्रा के साथ एडीए नैनी स्थित एक निजी नर्सिंग होम में उपचार हेतु भेजा गया। जहां पर डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। अभी स्थिति सामान्य है मौके पर उनके पति मंगलेश्वर नाथ पांडे आये जिनके द्वारा अपनी पत्नी की जान बचाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल की और रेल प्रशासन की भूरी भूरी प्रशंसा की।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी घायल

प्रयागराज । पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर में कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। मौके पर कार छोड़कर चालक फरार हो गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशाम्बी चरवा निवासी राम फतेह कोरी का पुत्र श्याम सलोना मुंबई में रहकर काम करता था। कुछ दिन पहले ही वह रिश्तेदार की शादी में आया हुआ था। गुरुवार की रात श्याम सलोना अपने रिश्तेदार मन्ना के साथ मोटर साइकिल से शादी में प्रयागराज आया हुआ था। लौटते समय जब वह सल्लाहपुर के पास पहुंचा तो तभी पीछे से एक तेज रफ्तार कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी और कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायलों को एसआरएन अस्पताल ले गयी। एसआरएन में डॉक्टरों ने श्याम सलोना को मृत घोषित कर दिया। जबकी घायल मन्ना का प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने श्याम सलोना के शव का पोस्टमार्टम करा कर परिवार को सौप दिया है।

शाहनवाज ने प्रियंका द्वारा शायर गुलरेज के निधान पर सौंपा शोक पत्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने शहर अध्यक्ष अरशद अली के बड़े भाई मशहूर शायर गुलरेज इलाहाबादी के आकस्मिक निधन पर उनके करेली स्थित आवास पहुँच कर प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी का शोक संदेश पत्र सौंपा। लखनऊ से यहाँ आये शाहनवाज के साथ प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं प्रभारी संगठन अनिल यादव भी थे। दोनों नेताओं ने शायर के आकस्मिक निधन पर परिजनों को अपनी संवेदनायें दी। कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार आपके साथ है। मालूम हो कि गुलरेज इलाहाबादी का निधन बीते 25 मई को कैंसर की बीमारी के कारण हो गया था। इस मौके पर गंगापार अध्यक्ष सुरेश यादव, पीसीसी सदस्य फुजेल हाशमी, किशोर वार्ष्णेय हरिकेश त्रिपाठी, संजय तिवारी, परवेज सिद्दीकी, मनोज पाशी, राकेश पटेल, महफूज अहमद, मो०– हसीन मुख्तार अहमद जाहिद नेता आदि थे।

रथ यात्रा मार्ग दुरुस्त किया जाएः राजेश केसरवानी

प्रयागराज । 20 जून को श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट के द्वारा निकलने वाली भगवान जगन्नाथ जी की विशाल रथ यात्रा के संदर्भ में ट्रस्ट के रथ यात्रा सहसंयोजक राजेश केसरवानी ने महापौर गणेश केसरवानी को प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया की रथ यात्रा मार्ग में कई जगह हैं। गड्ढे उन गड्ढो को समय रहते भर दिया जाए जिससे कि रथ यात्रा निकालने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सके। रथ यात्रा के दिन रथ यात्रा मार्ग की साफ सफाई छूने का छिड़काव किया जाए और रथ यात्रा के साथ साथ चलने को लेकर एक पानी का टैंकर पानी उपलब्ध करने व्यवस्था किया जाए और मार्ग में जगह–जगह लटके हुए तारों को ठीक तत्काल किया जाए। जिससे कि रथ यात्रा में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न ना हो सके।

ट्रैक्टर बनाने वाली कंपनी ने डेमो प्रचार के लिए जुटाई भीड़, स्टंट करते वक्त पलट गयाय ड्राइवर की मौत

किठौर। ट्रैक्टर बनाने वाली कंपनी के डेमो प्रचार ने एक परिवार के मुखिया को मौत की नींद सुला दिया। मवाना के ट्रैक्टर एजेंसी द्वारा किठौर के कायस्थ बढडा में बिना अनुमति ट्रैक्टर के डेमो प्रचार के दौरान स्टंट करते हुए ट्रैक्टर पलट गया और ट्रैक्टर के नीचे आने से चालक की मौत हो गई। भारी भीड के बीच चल रहे स्टंट डेमो प्रचार में बडा हादसा भी हो सकता था। गनीमत रही कि ट्रैक्टर भीड से दूसरी ओर हुआ। पुलिस मामले में कार्रवाई की तैयारी कर रही है। मवाना के भवानी ऑटोमोबाइल एजेंसी द्वारा किठौर के कायस्थ बढडा स्थित जाकिर नवाब के खेत मे गत सोमवार को कम्पनी के ट्रैक्टर का डेमो प्रचार कराया जा रहा था। जिसमें मुजफ्फरनगर के भोकरहेडी निवासी अजय कुमार पुत्र तेजपाल कम्पनी के ट्रैक्टर द्वारा स्टंट करते हुए ट्रैक्टर की पावर और कार्यक्षमता भारी भीड को दिखा रहा था। अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और दो पलटे खाकर अजय कुमार के ऊपर चढ गया। ट्रैक्टर के नीचे आने से अजय गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया।

230 एएनएम कार्यकत्रियों को बांटे गए नियुक्त पत्र

सांसद फूलपुर एवं जिलाधिकारी के द्वारा हुआ वितरण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के द्वारा अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत सभी 75 जनपदों के लिए कुल चयनित 7182 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों में से जनपद लखनऊ व आस–पास के जनपदों से चयनित एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों के लखनऊ में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया। इस अवसर पर सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की उपस्थिति में संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद प्रयागराज के 230 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सांसद के द्वारा जनपद प्रयागराज से चयनित सभी 230 एएनएम कार्यकत्रियों को उनके नियुक्ति पत्र प्राप्त करने की बधाई एवं उनके भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज आप सबको मानव सेवा की बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है, जिसे आप सभी लोग बड़ी तन्मयता से निभायें। सांसद ने मुख्य चिकित्साधिकारी से नवनियुक्त एएनएम कार्यकत्रियों को उनके सम्बंधित ब्लाक में अथवा रिक्त पद न होने पर नजदीकी ब्लाक में नियुक्त करने का सुझाव दिया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने सभी नवनियुक्त एएनएम कार्यकत्रियों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में जच्चा–बच्चा की देखभाल सरकार की मुख्य प्राथमिकता में से एक है, इसलिए इसे और बेहतर बनाने की जिम्मेदारी आप सभी पर होगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी आशू पाण्डे, डिप्टी सीएमओ, नवनियुक्त एएनएम के पारिवारिक सदस्य सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आबकारी मंत्री ने अधिकारियों के साथ की विभागीय कार्यो की समीक्षा

प्रयागराज । राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्ध निषेध विभाग, उ0प्र0 नितिन अग्रवाल ने शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभागार में प्रयागराज मण्डल के विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए आबकारी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अवैध शराब के विरूद्ध निरंतर छापेमारी की कार्यवाही करते हुए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

उन्होंने आभ्यासिक लोगो के विरूद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही करने के लिए कहा है। मंत्री ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शत–प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने आबकारी विभाग से सम्बंधित आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों को समय सीमा के अन्तर्गत शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी जिला आबकारी अधिकारियों को निरंतर प्रवर्तन की कार्यवाही प्रभावी ढंग से करते रहने के लिए कहा है।

26 जून को ढाई सौ जोडों का होगा विवाह

चित्रकूट। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने सर्वसाधारण से कहा है कि समाज कल्याण विभाग से संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना वित्तीय वर्ष 2023–24 में जिले में 250 जोड़ों का लक्ष्य मिला है। शुक्रवार को जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि सामूहिक विवाह 26 जून को होगा। सामूहिक विवाह के मेगा इवेन्ट रामायण मेला परिसर सीतापुर में होगा। 250 जोड़ो का लक्ष्य निकायवार निर्धारित हुआ है। विकास खण्ड कर्वी 50, विकासखण्ड मऊ 47, विकास खण्ड मानिकपुर 43, विकास खण्ड रामनगर 30, विकास खण्ड पहाड़ी 55, नगर पालिका कर्वी 10, नगर पंचायत मानिकपुर 5, नगर पंचायत राजापुर 5 एवं नगर पंचायत मऊ 5 में वैवाहिक जोड़े चयनित करने का लक्ष्य मिला है। उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि शहरी क्षेत्र के लोग नगर पंचायतध्नगर पालिका व ग्रामीण क्षेत्र के लोगा विकासखण्डों में सामूहिक विवाह को पंजीकरण कराये। शासन की योजना का लाभ उठाये। योजना में पात्रता है कि कन्या का अभिभावक उप्र का मूल निवासी हो। कन्या की आयु 18 वर्ष एवं वर की आयु 21 वर्ष से कम न हो। कन्या के परिवार की समस्त स्रोतों से आय दो लाख से अधिक न हो। कन्या का स्वयं का बैंक खाता हो। आयु के निर्धारण बाबत शैक्षिक एवं अन्य अभिलेख होना जरूरी है। कन्या अनुसूचित जातिध्जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग से है तो जाति प्रमाण देना अनिवार्य है। सामूहिक विवाह को विधवा महिला की पुत्री, स्वयं विधवा व तलाकशुदा व पुर्नविवाह, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री जो स्वयं दिव्यांग हो को प्राथमिकता मिलेगी। योजना के तहत 51 हजार रुपये प्रति जोड़ें पर खर्च किये जाने हैं। जिसमें से 35 हजार रुपये लड़की के बैंक खाते में दिये जायेंगे। विवाह सामग्री दस हजार रुपये का सामान दिया जाता है। छह हजार रुपये प्रति जोड़ा वैवाहिक कार्यक्रम स्थल पर भोजन, पंडाल आदि पर खर्च किया जाता है। उल्लेखनीय है कि वैवाहिक सामग्री एवं भोजन पंडाल व्यवस्था को जेम पोर्टल से निविदा प्रकाशित की जाती है। जेम पोर्टल पर निविदा देखने एवं सामग्री व अन्य कार्य की आपूर्ति को इच्छुक फर्मे बिडधनिविदा में हिस्सा ले सकती हैं। अधिक जानकारी को जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

ईगल आई शूटिंग अकादमी को पांच पदक

प्रयागराज। ईगल आई शूटिंग अकादमी प्रयागराज ने 20वीं यूपी प्री स्टेट शूटिंग चौंपियनशिप में पांच पदक अपने नाम किया। अकादमी के पिस्टल कोच विजय चन्देल एवं राइफल कोच फरीद सिद्दीकी ने बताया कि डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज दिल्ली में 1 से 6 जून तक आयोजित चौंपियनशिप में मंजू सिंह ने 22 बोर फ्री राइफल प्रोन एवं 22 बोर 50 मीटर 3 पोजीशन वर्ग मे एक–एक स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके अलावा 22 बोर स्टैण्डर्ड पिस्टल स्पर्धा में महेंद्र यादव, उमेश यादव एवं रवि कश्यप ने एक–एक कांस्य पदक जीता। अकादमी से पांच निशानेबाजों ने 50 मीटर स्पर्धा में प्रतिभाग किया था जिसमें सभी का प्रदर्शन सराहनीय रहा। अगले माह जुलाई में होने वाली स्टेट चौंपियनशिप में अकादमी के तकरीबन 40 बच्चे प्रतिभाग करेंगे। अकादमी से पिछले तीन वर्षों में 116 बच्चे नेशनल खेल चुके हैं और प्रत्येक वर्ष 40 से 50 बच्चे नेशनल खेलते है जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान है।

इलेक्ट्रिकल के छात्रों ने मचाया धमाल

प्रयागराज। आईईआरटी के इलेक्ट्रिकल विभाग के छात्रों ने ष्प्रस्थानमष 2023 में छात्र छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसको देखकर मुख्य अतिथि सहित अन्य लोगों ने बहुत ही सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित करने कर किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ एस.के. राय ने छात्रों के का उत्साहवर्धन एक छोटी नन्ही चिड़िया की कहानी को बताते हुए छात्रों में जोश भरा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक डॉ विमल मिश्रा ने छात्रों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी और छात्रों को आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद भी दिया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान ही किसी छात्र को नौकरी मिल जाए तो वह बहुत ही होनहार छात्र कहलाता है। इसी तरह संस्थान में सभी छात्र किसी न किसी कंपनी में प्लेसमेंट मिला है वह अपने काम के माध्यम से आगे बढ़ते रहें और संस्थान का नाम रोशन भी करते रहे। परीक्षा सचिव वाह संस्थान के डीन उमाशंकर वर्मा ने आए हुए सभी मूर्तियों का विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्रों के बारे में कहा कि इलेक्ट्रिकल के छात्रों ने ष्प्रस्थानमष 2023 में जो रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा उनके द्वारा बनाए हुए रंगोली मॉडल प्रस्तुत किया है वह बहुत ही सराहनीय है छात्र निरंतर आगे बढ़ते रहें यही मेरी शुभकामनाएं है। कार्यक्रम में एस के सिंह, ए.के. सिंह दारा सिंह सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

कुशीनगर में पत्रकारों के नाम पर अवैध कारोबारियों से तथाकथित पत्रकार कर रहे है धन उगाही

कुशीनगर। जनपद में अनैतिक कार्य और अवैध कारोबार मे लिप्त कारोबारियों व माफियाओ से कुछ तथाकथित पत्रकारो द्वारा जनपद के वरिष्ठ पत्रकारों के नाम पर धन वसूली किये जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश मे आया है। इन दलाल रुपी पत्रकारों द्वारा अवैध कारोबारियों व माफियाओ से धान वसूली उनके खिलाफ इन वरिष्ठ पत्रकारो से खबर न लिखने व मैनेज कराने के नाम पर की जा रही है।

गौरतलब हो कि बुद्धनगरी कुशीनगर मे होटल, रेस्टोरेंट व गेस्ट हाउसो मे अवैध रूप से चल रहे देह व्यापार का कारोबार, अवैध बालू खनन, फर्जी नियुक्ति पत्र पर नौकरी, राशन माफियाओ का खेल सहित तमाम जनहित से जुडे मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकार संजय चाणक्य व बीबी त्रिपाठी द्वारा लगातार खबरे लिखी जा रही है। बताया जाता है कि खबरो को रुकवाने के लिए माफियाओं ने पहले इन पत्रकारो को मैनेज करने का प्रयास किया किन्तु सफलता नही मिली जिसका उल्लेख वरिष्ठ पत्रकार संजय चाणक्य अपने खबरों मे भी कर चुके है। इधर लगातार प्रकाशित हो रहे खबरों को जिला प्रशासन द्वारा संज्ञान लिए जाने से भयभीत अवैध व अनैतिक देह व्यापार कारोबारी सहित बालू व राशन माफियाओ से कुछ तथाकथित दलाल रुपी पत्रकार संपर्क कर इन पत्रकारो को मैनेज कराने व खबर रुकवाने के नाम धन उगाही शुरू कर दिये है। इसकी जानकारी कसया के एक पत्रकार साथी ने दी। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ दावा किया कि इन दोनो पत्रकारो के नाम पर अनैतिक व अवैध कारोबारियों से लाखो रुपये वसूल किये जा रहे है। हालांकि उस पत्रकार साथी ने कोई साक्ष्य नही दिया। इस बात जानकारी जब इन वरिष्ठ पत्रकारो को हुई तो उन्होंने कहा कि दलाल व तथाकथित पत्रकार हम लोगो को मैनेज कराने व अवैध कारोबारियों के खिलाफ खबर न लिखने के नाम पर कारोबारियों से धन उगाही कर ठगी कर रहे है। ऐसी सूचना मिली है। अगर कोई कारोबारी या माफिया उनके नाम पर किसी दलाल या तथाकथित पत्रकार को पैसा दे रहा है तो वह पैसा बिल्कुल न दे। वरिष्ठ पत्रकार संजय चाणक्य ने कहा कि अवैध और अनैतिक कारोबार के खिलाफ वह हमेशा खबर लिखते रहे है और आगे भी लिखते रहेगे। अगर कारोबारी चाहते है कि खबर न छपे तो वह अपने अवैध व अनैतिक कारोबार से तौबा कर ले। उन्होंने कहा कि अगर उनके नाम पर धन उगाही की जा रही है तो गलत है कोई भी कारोबारी खबर रुकवाने और मैनेज के लिए हम लोगो के नाम किसी भी तथाकथित पत्रकार व दलाल को पैसा न दे। उन्होंने अवैध कारोबारियों से अपील किया कि जब तक वह हम लोगो के नाम पर जिसको भी पैसा दिये है साक्ष्य सहित प्रमाण उपलब्ध कराते है तो पैसा लेने वालो दलालों के खिलाफ वह मुकदमा जरूर दर्ज कराया जायेगे। उन्होने कहा कि जब तक अवैध, अनैतिक कारोबार बंद नही होगा उस पर खबर प्रकाशित होती रहेगी।

व्यापार मंडल ने मनाया सेवा संकल्प दिवस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने आज राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री संदीप बंसल के जन्मदिवस को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाया। इस विशेष अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं महिला मंडल द्वारा गरीब असहाय निराश्रित जनों के निशुल्क भोजन के लिए एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट के रैन बसेरा, जहां प्रतिदिन 200 लोगों को निशुल्क भोजन कराया जाता है में पहुंचकर इंस्टीट्यूट की डीन प्रोफेसर रानू प्रसाद एवं स्टाफ को एक बोरा आटा, 1 बोरा चावल, एक बोरा दाल, एक बोरा प्याज एक बोरा आलू और एक बोरा टमाटर प्रदान किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष लालू मित्तल ने बताया कि संगठन के लिए 9 जून का दिन बहुत विशेष महत्व रखता है पूरे देश में आज के दिन राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मना कर सेवा कार्य किया जाता है। जिला अध्यक्ष रत्ना जयसवाल ने व्यापारियों के लिए संघर्ष कर रहे संदीप बंसल के जीवन को व्यापारियों के लिए अमूल्य बताया। महानगर महिला अध्यक्ष स्वाती निरखी ने व्यापार मंडल की कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए इसे एक परिवार बताया। महामंत्री पवन श्रीवास्तव ने प्रोफेसर रानू प्रसाद का को सम्मानित किया। संगठन मंत्री एवं उपाध्यक्ष रमन गुप्ता ने मंदिर में पूजा पाठ करके संदीप बंसल के लंबी आयु के लिए प्रार्थना की।

सेवा कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनिल गुप्ता मंत्री, आशु कोषाध्यक्ष, कविता जयसवाल, रूबी केसरवानी, उषा केसरवानी, स्मिता जयसवाल, सरिता जयसवाल, संजय जयसवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

एएनएम को नियुक्ति पत्र देते विधायक व डीएम

चित्रकूट। मऊ,मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी व जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की मौजूदगी में उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से 75 जिलों में चयनित 7182 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटे गये। जिले में 14 एएनएम को नियुक्ति पत्र दिये। मुख्यमंत्री ने लोकनायक ऑडिटोरियम भवन लखनऊ में नियुक्ति पत्र बांटने का सीधा प्रसारण भी दिखाया। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पारदर्शी ढंग से की भर्ती के नियुक्ति पत्र बांटे हैं। सीधा प्रसारण लोगों ने देखा है। पहले की सरकारों के मुख्यमंत्रियो से मिलता रहा हूं, लेकिन मुख्यमंत्री योगी प्रदेश की जनता के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। सभी एएनएम को बधाई देते हुए जिले में स्वास्थ्य विभाग को आगे बढ़ाने का कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एएनएम की भर्ती के नियुक्ति पत्र बांटे हैं। उन्होंने कहा कि कोर्ट आदि के केस के बाद भी पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया के तहत लोगों को नियुक्ति पत्र दिये हैं। मुख्यमंत्री की अपेक्षा है कि बिना समस्या के भर्ती हुई है। उसी मंशा से कार्य कर जनता की सेवा करें। जिले में स्वास्थ्य विभाग की अपेक्षा अनुसार कार्य करें। जिले के कुछ क्षेत्र बेहद पिछडे हैं। टीकाकरण मदर चाइल्ड आदि रजिस्टर का रखरखाव अच्छे ढंग से करें। सभी एएनएम को बधाई देते हुए जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढायें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने विधायक व जिलाधिकारी समेत सभी का आभार जताया। कहा कि भगवान श्रीराम की तपोभूमि में मानव सेवा का मौका मिला है। सभी लोग मनोयोग से कार्य करें। 14 एएनएम को नियुक्ति पत्र बांटे गये हैं। जिले में 159 एएनएम के सापेक्ष 94 रेगुलर एएनएम कार्य कर रही थीं। संविदा पर भी कार्य कर रही थी, उन्हीं संविदा एएनएम में से जिले में व अन्य जिलों में भी चयन हुआ है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कहा कि एएनएम की संविदा भर्ती को शासन को पत्र भेजें। इस मौके पर एसीएमओ डॉ इमित्याज अहमद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ महेंद्र जतारिया, जिला सूचना अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आरके करवरिया समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।